E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 190 | प्रयागराज, बुधवार 18 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

दावा- अमेरिका पर हमला कर सकता है ईरान,केमिकल हथियार के इस्तेमाल की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के वॉशिंगटन में ईरान डर्टी बम या केमिकल हथियार से हमला करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन के मुताबिक, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को पता चला है कि ईरान केमिकल हथियार या डर्टी बम से ट्रम्प सरकार के बड़े अधिकारियों पर हमला कर सकता है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ईरान की हमले की योजना से जुड़ी कुछ जगहों और निशानों की जानकारी मिली है। इसके बाद अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले एक हफ्ते में कई बैठकें कीं। इस दौरान चर्चा की गई कि हमले के किस तरह रोका जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अभी यह साफ नहीं है कि ईरान के पास हमला करने के लिए जरूरी लोग और सामान हैं या नहीं। खुफिया एजेंसियों से जुड़े 7 अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ईरान



हमले के विकल्पों पर विचार कर रहा है। लेकिन अभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि उसने हमला करने का फैसला कर लिया है।अमेरिका को शक- देश में पहले से हो सकता है खतरनाक हथियारः-अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ऐसी बातचीत का पता चला है, जिसमें ईरान ने अमेरिका के अंदर बम बनाने का सामान छिपाकर रखने की बात कही है। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों को इस जानकारी की सच्चाई पर शक है। इसके बावजूद कई अधिकारियों को लगता है कि ईरान ने अमेरिका ने कहा कि अमेरिका की सीमा पर पिछले कई सालों से सुरक्षा में

डर्टी बम कितना खतरनाकः-सामान्य विस्फोटक के साथ रेडियोएक्टिव पदार्थ होता है। इसमें परमाणु विस्फोट नहीं होता। धमाके के बाद रेडियोएक्टिव पदार्थ हवा में फैल जाता है। इससे लोगों की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। डर्टी बम का आज तक किसी हमले में सफल इस्तेमाल नहीं हुआ है। केमिकल वेपन क्या हैंः-इसमें जहरीले केमिकल का इस्तेमाल होता है। मस्टर्ड गैस और सरीन इसके उदाहरण हैं। पहले विश्व युद्ध के दौरान इनका खूब इस्तेमाल हुआ था।1980 के दशक में इराक ने ईरान के खिलाफ केमिकल हथियारों का इस्तेमाल किया था। 1995 में जापान के टोक्यो में एक आतंकी संगठन ने सरीन गैस से हमला किया था। इसमें 13 लोगों की मौत हुई थी।

में डर्टी बम (रेडियोएक्टिव पदार्थ) या जहरीले केमिकल पहले से पहुंचाकर रखे हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईरान को हमला करने के लिए अपने लोगों को अमेरिका भेजने की भी जरूरत नहीं होगी। वह अमेरिका में पहले से रह रहे किसी व्यक्ति को हमले के लिए तैयार कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया जानकारी से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि अमेरिका की सीमा पर पिछले कई सालों से सुरक्षा में खामियां रही हैं। ऐसे में हमले के लिए जरूरी सामान और लोगों को देश के अंदर पहुंचाना आसान हो सकता है। एक दूसरे सूत्र के मुताबिक अमेरिका के कई सुरक्षा अधिकारियों को लगता है कि रेडियोएक्टिव सामग्री कई साल या दशकों पहले से ही देश में छिपाकर रखी गई हो सकती है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

सॉफ्टवेयर बग ने अमेरिकी कामों को रोका,बैंकों का कामकाज,ट्रांजेक्शन स्लो, लोगों का पैसा अटका

माइक्रोसॉफ्ट, फ्लाइट के बाद बैंक, 5 दिन में तीसरी बार अमेरिका ठप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के सबसे बड़े बैंकों में से एक जे.पी. मॉर्गन चेज में सोमवार को आई तकनीकी खराबी के कारण हजारों ग्राहक परेशान हुए। कस्टमर्स ने बैंकिंग सर्विसेज इस्तेमाल करने में परेशानी की शिकायत की। अमेरिका में जेपीमॉर्गन चेस के 8.6 करोड़ से ज्यादा कस्टमर्स हैं। इस समस्या का असर सिर्फ इसी बैंक तक सीमित नहीं रहा। जेपी मॉर्गन चेज के अलावा बैंक ऑफ अमेरिका, यूएस बैंक, वेल्स फार्गो, कैपिटल वन और ट्रूइस्ट जैसे बड़े बैंक शामिल हैं। बैंक की सर्विसेज अब दोबारा ठीक हो गई है। जे.पी. मॉर्गन चेज में यह खराबी किस वजह से आई? जे.पी. मॉर्गन चेज के प्रवक्ता जो इवेंजेलिस्टी ने कहा यह समस्या बैंक के अपने ही कंप्यूटर सर्वर सिस्टम में आई एक तकनीकी गड़बड़ी यानी सॉफ्टवेयर बग के कारण पैदा हुई है। आसान शब्दों में कहें तो बैंक के अपने डेटा सेंटर में लगे मुख्य कंप्यूटर सिस्टम में एक प्रोग्रामिंग एरर आ गया था, जिसकी वजह से ट्रांजैक्शन और



अन्य बैंकिंग सेवाओं में कुछ समय के लिए रुकावट आई। सवाल 2. ट्रांजेक्शन के दौरान ग्राहकों को स्क्रीन पर क्या मैसेज दिख रहा था? जवाबः तकनीकी खराबी के दौरान जब बैंक के ग्राहकों ने अपनी ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं का इस्तेमाल करने की कोशिश की, तो कई यूजर्स को स्क्रीन पर एक एरर मैसेज दिखाई दिया। इसमें लिखा था- 'कुछ सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। हम उन पर काम कर रहे हैं। कृपया बाद में दोबारा प्रयास करें।' सवाल 4. समस्या जेपीमॉर्गन चेस में आई, तो बाकी बैंकों पर इसका असर कैसे पड़ा? जवाबः यह पूरे बैंकिंग सिस्टम की खराबी नहीं थी। अन्य बैंक केवल उसी हद तक ट्रांजेक्शन में धीमेपन से प्रभावित हुए, जहां वे चेज बैंक साथ किसी लेन-देन में शामिल थे। यानी बैंक ऑफ अमेरिका और सिटीग्रुप जैसे बैंकों की अपनी सेवाएं सामान्य रूप से चल रही थीं। सवाल 5. मनी ट्रांसफर प्लेटफॉर्म 'जेले' पर इस तकनीकी खराबी का क्या असर हुआ? जवाबः जेले का इस्तेमाल करने वाले हजारों ग्राहकों को पेमेंट भेजने और रिसीव करने में देरी हुई। यूएस बैंक के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनके बैंक के सिस्टम सीधे तौर पर प्रभावित नहीं हुए हैं, लेकिन 'जो ग्राहक किसी दूसरे फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के साथ जेले पेमेंट भेजने या रिसीव करने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें ट्रांजेक्शन में देरी का सामना करना पड़ा। सवाल 6. कितने कस्टमर्स इस आउटेज से प्रभावित हुए हैं? जवाबः आउटेज ट्रैक करने वाली वेबसाइट डाउन डिटेक्टर के आंकड़ों के मुताबिक, अकेले जेपीमॉर्गन चेज के 4,700 से ज्यादा कस्टमर्स ने समस्या रिपोर्ट की। इसी दौरान बैंक ऑफ अमेरिका के 2,000 से ज्यादा और यूएस बैंक के 1,060 कस्टमर्स ने दिक्कत दर्ज कराई।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

30 हजार भारतीयों ने यूरोप-दुबई को बनाया दूसरा घर पर ग्रीन कार्ड में देरी से भारतीयों का अमेरिका बसना कठिन-10 लाख इंतजार में

न्यूयॉर्क। भारतवंशियों के लिए अमेरिका में बसने का सपना अब मुश्किल होता जा रहा है। ग्रीन कार्ड मिलने में सालों की देरी, ट्रम्प प्रशासन की सख्त वीजा नीतियां और नस्लीय भेदभाव की आशंका इसकी बड़ी वजहें हैं। अमेरिका की नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी के मुताबिक, करीब 10 लाख भारतीय ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले करीब 30 हजार भारतीयों ने दूसरे देशों की स्थायी रेजिडेंसी (पीआर) भी हासिल कर ली हैं। माइग्रेशन एजेंसियों के मुताबिक, ये लोग अमेरिका के साथ-साथ दूसरे देशों में भी अपना ठिकाना तैयार कर रहे हैं। इनमें दुबई और यूरोप के देश सबसे पसंदीदा विकल्प बनकर उभरे हैं। मिलियनेयर माइग्रेट फर्म के जेरेमी सैवरी के मुताबिक, भारतीय अब अमेरिका के अलावा दूसरे देशों में भी बसने के विकल्प तलाश रहे हैं। ट्रम्प की सख्त वीजा नीतियां और नस्लीय भेदभाव की आशंका भी इसकी वजह हैं। दुबई का बिजनेस फ्रेंडली माहौल और गोल्डन वीजा



भारतीयों को आकर्षित कर रहा है। वहीं, यूरोप में ग्रीस की रेजिडेंसी से शेंगेन क्षेत्र के देशों में यात्रा करना आसान हो जाता है। स्पेन का डिजिटल नोमैड वीजा रिमोट काम करने वालों को वहां रहने का विकल्प देता है। इटली में निवेश के जरिए पीआर हासिल करना भी संभव है। इमिग्रेशन कंसल्टिंग फर्म गारंट इन के आंद्रेई बोइको के मुताबिक, भारतीय अब अमेरिका के अलावा ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूजीलैंड में बसने के विकल्पों के बारे में भी जानकारी जुटा रहे हैं। इन देशों में माइग्रेशन को लेकर पूछताछ में सालाना 50फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कार्नेगी एंडोमेंट के हालिया सर्वे के मुताबिक, 64फीसदी भारतीय-अमेरिकियों ने ट्रम्प की इमिग्रेशन नीतियों को अमेरिकी सपने पर भरोसा कमजोर होने की वजह बताया है। यानी अमेरिका में बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचे भारतीयों के बीच अब वहां स्थायी रूप से बसने को लेकर चिंता बढ़ रही है। मिडटर्म चुनाव में विपक्षी डेमोक्रेट्स ने अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर अगली सरकार उनकी बनती है तो भारतीयों के दूसरे देशों की ओर जाने का यह ट्रेंड रुक सकता है। अमेरिका में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में भी कमी आई है। ओपन डोर्स के मुताबिक, 2025-26 में 3,39,435 भारतीय छात्रों ने अमेरिका में दाखिला लिया, जबकि 2024-25 में यह संख्या 3,63,019 थी। अमेरिका की 95फीसदी यूनिवर्सिटीज को आशंका है कि विदेशी छात्र अब पढ़ाई के लिए दूसरे देशों का रुख कर सकते हैं।

अमेरिका ने एआई टेक्नोलॉजी तक पहुंच रोकने के नियम बदले,चीन अब न चिप खरीद सकेगा न किराए पर ले सकेगा

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीन को उन्नत एआई टेक्नोलॉजी तक पहुंचने से रोकने के लिए अब तक का सबसे सख्त कदम उठाया है। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को नया एक्सपोर्ट कंट्रोल नियम जारी किया, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह नियम एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन हुआंग के इस्तीफे के ठीक 4 दिन बाद आया है। यह नियम हुआंग केस में उजागर हुई उस खामी को बंद करने बनाया है, जिसके कारण चीन बिना चिप्स खरीदे ही अमेरिकी एआई पावर का इस्तेमाल कर रहा था। नए नियम के तहत, चीन, रूस, ईरान और क्यूबा जैसे देशों की कंपनियों को सेवा देने वाले विदेशी डेटा सेंटरों के लिए अपने एंड-यूजर्स की पहचान करना जरूरी है। इसके अलावा इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड या ब्राजील जैसे देशों को चिप्स बेचने के लिए अलग से लाइसेंस लेना होगा। यहां चिप्स के डायवर्जन



का जोखिम ज्यादा है। एनवीडिया स्कैंडल से कनेक्शन, 3 हिस्सों में समझें-यह नियम अचानक नहीं आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नियम जेन्सन हुआंग केस का पहला सरकारी जवाब है। हुआंग के इस्तीफे के ठीक 4 दिन बाद यह नियम जारी हुआ है। इस पूरे मामले के 3 हिस्से हैं-पहला हिस्साः- मेगास्पीड का मॉडल ही वह खामी था, जिसे अब बंद किया गया-सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड इंटरनेशनल का बिजनेस मॉडल बिल्कुल वही था, जिस पर अब रोक लगी है। मेगास्पीड एनवीडिया से 4 अरब डॉलर से ज्यादा के चिप्स खरीदती थी। 3 साल में एशिया की सबसे बड़ी खरीदार बन गई। सिंगापुर और मलेशिया में डेटा सेंटर बनाए। उन डेटा सेंटरों में एनवीडिया के चिप्स लगाकर चीनी कंपनियों को कंप्यूटिंग पावर किराए पर दिए।मतलब, चीन चिप्स नहीं खरीद सकता था, लेकिन क्लाउड/रिमोट एक्सेस के जरिए उन्हीं चिप्स पर अपना एआई मॉडल ट्रेन कर सकता था। बिल्कुल ऐसे, जैसे कार खरीदना मना हो, लेकिन कार किराए पर लेकर चलाना मना न हो। नए नियम के मुताबिक अब रिमोट एक्सेस को भी एक्सपोर्ट माना जाएगा। डेटा सेंटर को बताना होगा कि उसका असली यूजर कौन है। यानी मेगास्पीड वाला मॉडल अब सीधे-सीधे नियम के खिलाफ होगा। दूसरा हिस्साः- हुआंग - एलिस हुआंग - मेगास्पीड ट्रायंगल जेन्सन हुआंग एनवीडिया के को-फाउंडर और 33 साल तक सीईओ रहे। एलिस हुआंग मेगास्पीड की पूर्व सीईओ/डायरेक्टर, कोई रिश्तेदार नहीं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का दावा है कि एलिस हुआंग चीनी खुफिया एजेंसी की एसेट हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

22-22 घंटे अकेले रखें जाने के चलते इमरान खान ने जजों को लिखीं चिट्ठी,जेल से जिंदा लौटना मुश्किल,ब्रेन हैमरेज या हार्ट अटैक से मर जाऊंगा

इस्लामाबाद। पाक के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने देश की तीन बड़ी अदालतों के जजों को चिट्ठी लिखकर अपने और पत्नी बुशरा बीबी के इलाज की मांग की है। उन्होंने दावा किया कि डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन हेमरेज और हार्ट अटैक पड़ने के खतरे की चेतावनी दी है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जेल में उन्हें रोज 22-22 घंटे अकेले रखा जा रहा है। उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है और उन्हें डर है कि वे जेल से जिंदा नहीं लौट पाएंगे। इमरान तोशखाना केस में अगस्त 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। उनसे मुलाकात के लिए उनकी बहनों ने आंदोलन भी किया था।

यह चिट्ठी पाकिस्तान की फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को भेजी गई है। इमरान के वकील सलमान सफदर ने एक्स पर यह चिट्ठियां पोस्ट की हैं। इनमें इमरान ने आरोप लगाया कि उन्हें परिवार के लोगों और वकीलों से मिलने, बेटों से फोन पर बात करने, किताबें पढ़ने और टीवी देखने की इजाजत नहीं है। उन्होंने बताया कि इस साल उनके वकील को उनसे सिर्फ चार बार मिलने दिया गया। वहीं, बुशरा बीबी के वकील को भी उनसे केवल एक बार मिलने की इजाजत मिली। हर हफ्ते पत्नी से होने वाली मुलाकात भी बिना कोई वजह बताए रोक दी गई। इमरान ने यह भी कहा कि उनकी बहनें हिरासत में हैं, लेकिन उन्हें उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा। इमरान बोले- मेडिकल बोर्ड ने मेरी मानसिक परेशानी मानी-इमरान के मुताबिक, जेल के मेडिकल बोर्ड ने उनकी मानसिक परेशानी को माना था। बोर्ड ने उन्हें पत्नी और परिवार से ज्यादा बार मिलने देने की सलाह दी थी। साथ ही किताबें पढ़ने और टीवी देखने की सुविधा देने को कहा था। लेकिन इन सिफारिशों पर अमल नहीं किया गया। उन्होंने चिट्ठी में लिखाः- 'जेल में किसी को मुझसे बात करने या जवाब देने की इजाजत नहीं है। जब मैं उन्हें



सलाम करता हूं या कुरान की कोई आयत पढ़ता हूं, तब भी कोई जवाब नहीं देता।' इमरान का आरोप है कि ये पाबंदियां जानबूझकर लगाई गई हैं, ताकि उनकी तबीयत बिगड़े और उनका हौसला टूट जाए। दाईं आंख की 85फीसदी रोशनी जाने का दावाः-इमरान ने बताया कि 10 फरवरी को उनके वकील को मुलाकात के दौरान पता चला कि उनकी दाईं आंख की 85फीसदी रोशनी जा चुकी है।

उनका आरोप है कि उस समय न तो परिवार को और न ही उनके कानूनी सलाहकारों को इस बारे में जानकारी दी गई थी। उन्होंने अपने ब्लड प्रेशर का भी जिक्र किया।

इमरान के मुताबिक, जेल में रहने के दौरान उनका ब्लड प्रेशर पहले 130 से 150, फिर 170 और 10 नवंबर को 192 और 193 तक पहुंच गया। पत्नी बुशरा बीबी की आंखों की रोशनी जाने का भी खतराः- इमरान ने कहा कि पत्नी बुशरा बीबी की हालत के कारण ही उन्होंने अदालतों को चिट्ठी लिखने का फैसला किया। उनके मुताबिक, बुशरा की आंख के पर्दे यानी रेटिना में अप्रैल में परेशानी हुई थी।

इसके बाद उनकी आंख की जटिल सर्जरी कराई गई। इमरान का आरोप है कि यह ऑपरेशन गुपचुप तरीके से किया गया और इसके बाद बुशरा को फिर अकेली कोठरी में भेज दिया गया। इमरान ने बताया कि इस महीने जब वह पत्नी से मिले तो बुशरा न तो रोशनी बर्दाश्त कर पा रही थीं और न ही अपनी आंखें खोल पा रही थीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द दूसरा ऑपरेशन नहीं हुआ तो बुशरा की आंखों की रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है।

पीएम मोदी आसियान डिनर में हुए शामिल, टुक-टुक की सवारी की अब होगी ट्रम्प से मुलाक़ात

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तीन दिन के दौरे पर फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। यहां उन्होंने फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर की ओर से



आयोजित आसियान गाला डिनर में हिस्सा लिया। इस दौरान मोदी फिलीपींस की पारंपरिक पुरुष पोशाक 'बारोंग टैगलॉग' पहने नजर आए। वह कार्यक्रम में खास तौर पर तैयार की गई टुक-टुक से पहुंचे। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 17 नवंबर को क्वाड देशों की बैठक में हिस्सा लेंगे, जिसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। मनीला में होने वाली यह बैठक करीब दो साल बाद चारों देशों के नेताओं की पहली आमने-सामने बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भी यह पहली क्वाड लीडर्स मीटिंग है। चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी इस बैठक में बात हो सकती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आसियान समिट में शामिल होने के लिए न्योता दिया है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

यूक्रेन ने रूस पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया,तेल रिफाइनरियों और अहम ठिकानों पर 1300 से ज्यादा ड्रोन

रूस बोला- सभी मार गिराए

कीव/मॉस्को। यूक्रेन ने सोमवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस ने बताया कि यूक्रेन ने उसके तेल रिफाइनरियों और दूसरे अहम ठिकानों को निशाना बनाते हुए 1336 ड्रोन दागे। रॉयटर्स के मुताबिक, रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने दावा किया कि उसने सभी ड्रोन को हवा में ही मार गिराया।इससे पहले 29 अक्टूबर को यूक्रेन ने रूस पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। तब रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया था कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने एक ही रात में 1254 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए। यूक्रेन ने उस वक्त रूस के 19 क्षेत्रों में हमले किए थे। इस हमले में रूस के बेलगोरोद इलाके में एक व्यक्ति की मौत हुई और 7 लोग घायल हुए थे। हमले के बाद मॉस्को के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने बताया कि राजधानी के आसमान में अकेले 613 यूक्रेनी ड्रोन देखे गए थे। सुरक्षा के चलते मॉस्को के तीन एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे तक उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी थी। यूक्रेन ने हाल के दिनों में लंबी दूरी तक हमला करने वाले ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाया है। रूस के अलावा क्रीमिया, ब्लैक सी और एजोव सी में भी हमले तेज किए गए हैं। हाल के कुछ अभियानों में 1000 से ज्यादा ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। एपी के मुताबिक, फरवरी 2022 में रूस के हमले के साथ शुरू हुई जंग के बाद सोमवार को हुए हमले को यूक्रेन का सबसे बड़ा हवाई हमला माना जा रहा है। यूक्रेन के हमलों में रूस की तेल रिफाइनरियां भी निशाने पर हैं। इनसे रूस को बड़ी कमाई होती है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि उनकी सेना के हमलों से रूस की 55फीसदी से ज्यादा तेल रिफाइनिंग क्षमता ठप हो गई है। हालांकि, रूस ने जेलेंस्की के इस दावे पर कोई जवाब नहीं दिया है। यूक्रेन अब ऐसे ठिकानों पर हमले कर रहा है, जिनका असर रूस की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर पड़े। इस तरह वह जंग का असर रूस के आम लोगों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। रूस भी यूक्रेन के आम लोगों से जुड़े ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। रूस के निशाने पर खास तौर पर बिजली सप्लाई से जुड़े ठिकाने हैं। यूक्रेन का कहना है कि रूस इन हमलों के जरिए लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल बनाना चाहता है। इसके साथ ही वह लोगों का मनोबल तोड़ने की कोशिश कर रहा है।

लंदन में बांग्लादेशी नेता नाहिद इस्लाम के कार्यक्रम में झड़प,हसीना समर्थकों ने अंडे और पानी की बोतलें फेंके,हुआ लाठीचार्ज

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में सोमवार रात बांग्लादेशी नेता नाहिद इस्लाम के स्वागत कार्यक्रम के दौरान हंगामा हो गया। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और



नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के समर्थक आपस में भिड़ गए। अवामी लीग के समर्थकों ने कार्यक्रम में पहुंच रहे लोगों पर अंडे और पानी की बोतलें फेंकीं। इसके बाद दोनों गुटों के बीच सड़क पर मारपीट शुरू हो गई। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया। झड़प में 4 से 5 लोग घायल हुए हैं। ढाका ट्रिब्यून और प्रोथोम आलो की रिपोर्ट के मुताबिक, घटना पूर्वी लंदन के रोमफोर्ड इलाके में मेफेयर हॉल के बाहर हुई। ब्रिटिश-बांग्लादेशी समुदाय ने नाहिद इस्लाम के सम्मान में यह कार्यक्रम आयोजित किया था। नाहिद बांग्लादेश की ढाका-11 सीट से सांसद हैं। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक, कार्यक्रम के दौरान अवामी लीग के समर्थक हॉल के बाहर जमा हो गए थे। चश्मदीदों और आयोजकों ने बताया कि उन्होंने कार्यक्रम में आने वाले लोगों पर अंडे और पानी की बोतलें फेंकीं। कार्यक्रम खत्म होने के बाद दोनों पक्षों के समर्थक एक-दूसरे के पीछे दौड़ने लगे और सड़क पर मारपीट शुरू हो गई। करीब 20 मिनट तक चली इस झड़प को रोकने के लिए पुलिस ने कई बार लाठीचार्ज किया। ढाका ट्रिब्यून ने 4 लोगों के घायल होने की खबर दी है, जबकि प्रोथोम आलो के मुताबिक, 5 लोग घायल हुए और उन्हें किंग्स कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। नाहिद इस्लाम प्रदर्शनकारियों के सीधे सामने आने से बचते रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, वे कार्यक्रम शुरू होने से करीब तीन घंटे पहले ही मेफेयर हॉल पहुंच गए थे।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

देश-विदेश के 300 से अधिक चिकित्सकों की भागीदारी से न्यूरोकॉन-2026 बना चिकित्सा जगत का बड़ा मंच

चार प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने दिए विशेष ओरेशन, लगभग 90 न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन ने साझा किए शोध और आधुनिक उपचार के अनुभव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगमनगरी में आयोजित तीन दिवसीय यूपी-यूएेा न्यूरोकॉन-2026 ने न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा, आधुनिक उपचार तकनीकों और शोध को नई दिशा देने का काम किया। सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी आए विशेषज्ञों सहित 300 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 90 न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन ने वैज्ञानिक व्याख्यान और शोधपत्र प्रस्तुत किए।सम्मेलन में चार प्रतिष्ठित चिकित्सकों डॉ. बी.के. मिश्रा, डॉ. अचल श्रीवास्तव, डॉ. अवधेश जायसवाल और डॉ. जयंती कलिता ने विशेष ओरेशन दिए। इन व्याख्यानों में न्यूरोसाइंसेज की आधुनिक उपलब्धियों, उपचार तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा हुई। ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन ट्यूमर, पार्किंसन रोग, मिर्गी, रीढ़ की जटिल बीमारियों और न्यूरोइंटरवेंशन जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। आधुनिक माइक्रोसर्जरी, दूरबीन आधारित ऑपरेशन और न्यूनतम चीरे वाली सर्जरी के माध्यम से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। सम्मेलन में युवा चिकित्सकों की भागीदारी विशेष आकर्षण रही। न्यूरोलॉजी में डीएम और न्यूरोसर्जरी में एमसीएच कर रहे लगभग 40 चिकित्सकों ने अवार्ड पेपर प्रस्तुत किए, जबकि करीब 40 अन्य युवा चिकित्सकों ने अवार्ड पोस्टर प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध कार्यों को विशेषज्ञों के सामने रखा। अवार्ड पेपर और पोस्टर कैटेगरी में तीन उत्कृष्ट शोध कार्यों को पुरस्कार स्वरूप प्रशस्ति पत्र और 11000, 6000 और 3000 रुपये के चेक प्रदान किए गए।वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ वैज्ञानिक संवाद से युवा चिकित्सकों को नई तकनीकों और शोध पद्धतियों को समझने का अवसर मिला।



आयोजन अध्यक्ष डॉ. मुकुल पांडेय ने कहा कि देश-विदेश के विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सम्मेलन को विशेष सफलता दिलाई। ऐसे आयोजन चिकित्सा शिक्षा, शोध और आधुनिक उपचार पद्धतियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आयोजन सचिव डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि 300 से अधिक प्रतिभागियों, लगभग 90 विशेषज्ञ वक्ताओं और करीब 80 युवा शोधकर्ताओं की भागीदारी सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि रही। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से प्रयागराज की पहचान न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के महत्वपूर्ण शैक्षणिक केंद्र के रूप में और मजबूत हुई है।

एमसीएच और डीएम के करीब 80 युवा चिकित्सकों ने अवार्ड पेपर और पोस्टर प्रस्तुत कर दिखाई प्रतिभा





नैनी में आयोजित श्री श्याम महोत्सव में निशान, जागरण व भंडारे का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/नैनी। सोमवार को क्षेत्र के नैनी में आयोजित श्री श्याम महोत्सव में निशान, जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। शाम को नई बाजार से निकाले गए बाबा के निशान में बाबा का ध्वज को हाथ में लेकर बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल हुए। नई बाजार से शुरू हुआ बाबा श्याम का निशान तीन किलोमीटर तक क्षेत्र का भ्रमण करते हुए मयूर गार्डन में समाप्त हुआ। इसके बाद यहां पर जागरण व भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। बता दे कि स्थानीय व्यापारियों की ओर से बीते चार साल से श्री श्याम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को आयोजन का शुभारंभ बाबा श्याम के निशान के साथ शुरू हुआ। नई बाजार स्थित त्रिमुखी मंदिर से निशान शुरू हुआ तो एडीए मोड, सरगम चौराहा, आनंद नगर, मेवालाल की बगिया, ट्रांसपोर्ट नगर, सब्जी मंडी होते हुए मयूर गार्डन पहुंचा। यहां बाबा के जागरण में कलाकारों ने पूरी रात बाबा के भजनों की प्रस्तुति दी। बाबा की भजनों को सुनने के लिए पंडाल में पूरी रात भक्तों की भीड़ जुटी रही। जागरण में बाबा से जुड़ी कई कलात्मक झांकियां भी प्रस्तुत की गई। साथ ही पंडाल में आयोजित भंडारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। निशान यात्रा को लेकर नैनी पुलिस के जवान पूरे रास्ते सहयोग में लगे रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में राम लखन केसरवानी, सुधीर शर्मा, रमाकांत केसरवानी, अतुल केसरवानी, मनीष यादव, सुशील केसरवानी, श्यामू भारतीया, पवन शर्मा, विकास तिवारी, बाबू राम यादव, रितेश हलवाई, रचित केसरवानी, संजय केसरवानी आदि का सहयोग रहा।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग आवेदन माँगे गये

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग,जारी संशोधित नियमावली में योजना के ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की प्रकिया में पूर्व निर्धारित प्रपत्र ग्राम पंचायत प्रस्ताव की प्रति को समाप्त करते हुए आवेदन माँगे गये हैं। जनपद में 40 प्रतिशत या उससे अधिक की दिव्यांगता से प्रभावित गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन -- करने वाले दिव्यांगजन योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु किसी जन सुविधा केन्द्र / साइबर कैफे से सम्पर्क कर पेंशन पोर्टल https://sspy-up.gov.in में अपना पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ, तहसीलदार द्वारा निर्गत गरीबी रेखा से नीचे की आय सीमा का आय प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्म तिथि का अंकन हो, मुख्य चिकित्साधिकारी अथवा सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता का दिव्यांगता प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय कृत बैंक जो कोर बैंकिंग सिस्टम से जुडे हो, का खाता संख्या एवं आधार कार्ड अपलोड कर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

बागेश्वर धाम सरकार बागेश्वर सरकार की कथा से पहले कुंडा में सुरक्षा का चक्रव्यूह तैयार, 1000 पुलिसकर्मी और 200 सीसीटीवी से होगी निगरानी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में बागेश्वर सरकार की श्रीराम कथा को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 17 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाली कथा को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। पूरे आयोजन स्थल को 2 सुपर जोन, 7 जोन और 50 सेक्टरों में बांटा गया है, ताकि सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके। सुरक्षा की कमान 2 एडिशनल एसपी सहित सीओ, एसडीएम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों में रहेगी। कथा स्थल पर वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ सादे कपड़ों में भी जवान तैनात किए जाएंगे। पूरे आयोजन की सुरक्षा के लिए करीब 1000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इसके अलावा बीएसी की 2 कंपनियां भी सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहेंगी। आयोजन स्थल और आसपास के क्षेत्रों में निगरानी के लिए 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस कंट्रोल रूम से हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आयोजन स्थल पर अस्थायी पुलिस थाना भी बनाया गया है। प्रशासन का उद्देश्य कथा में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना और आयोजन को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है।



उत्तरप्रदेश के प्रयागराज मे तीन मिनट की देरी बनी मासूम की जिंदगी पर भारी! स्कूल में प्रवेश नहीं मिलने के बाद ट्रेन की चपेट में आकर नौ वर्षीय छात्र की मौत

स्कूल प्रबंधन पर बच्चे को वापस भेजने का आरोप, परिजनों का फूटा गुस्सा; परिसर में तोड़फोड़ के बाद पुलिस ने संभाली स्थिति

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। घूरपुर क्षेत्र में एक नौ वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत ने शिक्षा व्यवस्था और विद्यालयों में बाल सुरक्षा की जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि महज तीन मिनट देर से पहुंचने पर स्कूल प्रबंधन ने तीसरी कक्षा के छात्र को प्रवेश नहीं दिया। घर लौटते समय रेलवे ट्रैक के पास ट्रेन की चपेट में आने से उसकी जान चली गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने विद्यालय परिसर में हंगामा और तोड़फोड़ की। सवाल यह है कि आखिर एक छोटे बच्चे को स्कूल से वापस भेजते समय उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी.घटना घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज स्थित सेंट मैरिज कॉन्वेंट स्कूल से जुड़ी है। मृतक की पहचान मोहम्मद यजदान (9), पुत्र मुस्ताकी आलम, निवासी नई बाजार, चक घनश्याम दास, करमा के रूप में हुई है। वह कक्षा तीन का छात्र था और तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। तीन मिनट की देरी और फिर कभी घर नहीं लौटा यजदानः-परिजनों का आरोप है कि यजदान रोज की तरह स्कूल गया था, लेकिन निर्धारित समय से महज तीन मिनट देर होने के कारण उसे विद्यालय में प्रवेश नहीं दिया गया। आरोप है कि



उसे वापस लौटा दिया गया। इसके बाद वह रेलवे ट्रैक के पास से होकर घर जा रहा था, तभी ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पिता मुस्ताकी आलम का दर्द इस सवाल में झलकता है कि यदि बच्चे को विद्यालय में प्रवेश मिल जाता अथवा सुरक्षित घर पहुंचाने की व्यवस्था की जाती, तो शायद आज उनका बेटा उनके बीच होता। हालांकि, स्कूल प्रबंधन का पक्ष और घटना से जुड़े सभी तथ्य स्वतंत्र जांच के बाद ही स्पष्ट होंगे। मौत के बाद स्कूल में हंगामा, पुलिस ने संभाला मोर्चाः-बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण स्कूल पहुंचे, जहां हंगामे के साथ तोड़फोड़ हुई। सूचना पर घूरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया।जवाबदेही तय हो, लापरवाही की निष्पक्ष जांच होः-यह घटना केवल एक परिवार का दुख नहीं, बल्कि स्कूलों की जिम्मेदारी से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। तीन मिनट की देरी पर छोटे बच्चे को वापस भेजने की नीति, अभिभावकों को सूचना देने की व्यवस्था और सुरक्षित वापसी की जिम्मेदारी को जांच जरूरी है। यदि जांच में विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए.शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से मांग करता है कि इस घटना की समयबद्ध एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। स्कूल के सीसीटीवी फुटेज, उपस्थिति रजिस्टर, गेट पर तैनात कर्मचारियों और संबंधित शिक्षकों के बयान लेकर यह स्पष्ट किया जाए कि बच्चे को किस परिस्थिति में वापस भेजा गया। यदि विद्यालय प्रबंधन की लापरवाही प्रमाणित होती है तो मान्यता संबंधी नियमों के तहत कठोर कार्रवाई की जाए। प्रशासन से अपील है कि इस मामले को केवल एक हादसा मानकर न छोड़ा जाए। जांच में जिसकी भी जिम्मेदारी सामने आए, उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में किसी दूसरे माता-पिता को ऐसा असहनीय दुख न झेलना पड़े। एक बच्चे की सुरक्षा केवल उसके परिवार की नहीं, पूरे समाज और व्यवस्था की जिम्मेदारी है। यजदान को न्याय मिले और दूसरे बच्चों का भविष्य सुरक्षित बने, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अतीक अहमद के रिश्तेदारों पर पीडीए का बड़ा एक्शन,खानपुर सतवा में 10 बीघे की अवैध प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने शहर में



अवैध निर्माण और बिना मानचित्र स्वीकृत कराए विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार शाम पीडीए की प्रवर्तन टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अतीक अहमद के रिश्तेदार इमरान और जीशान की लगभग 10 बीघे में फैली अवैध प्लॉटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई सोमवार, 16 नवंबर को शाम करीब 4 बजे खानपुर सतवा (पिनकोड-211012) क्षेत्र में की गई। पीडीए की टीम भारी मशीनरी (जेसीबी/बैकहो लोडर) के साथ मौके पर पहुंची और भूखंडों के सीमांकन के लिए बनाई गई ईंटों की बाउंड्री वॉल, पिलर और कच्चे रास्तों के निर्माण को पूरी तरह जमींदोज कर दिया।कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी मात्रा में ईंटों का मलबा बिखरा नजर आया। पीडीए अधिकारियों के मुताबिक, इमरान और जीशान द्वारा लगभग 10 बीघे के विशाल भूभाग पर बिना ले-आउट या नक्शा पास कराए ही अवैध रूप से प्लॉटिंग कर जमीन बेचने की तैयारी की जा रही थी। नियमों की अनदेखी कर।

बड़े धूमधाम से गोपाष्टमी पर्व मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आज दिनांक 17 नवंबर 2026 दिन मंगलवार कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के पावन अवसर पर गो पूजन का विशेष विधान है। मंटू शुक्ला ने बताया की गाय के शरीर में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, के साथ समस्त देवताओं का वास होता है । भगवान भी जब धरा धाम पर अवतरित हुए तो विप्र , धेनू ,संत हित , लीन मनुज अवतार ।।? गाय की रक्षा के लिए भगवान ने अवतार लिया । गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास होता है इसलिए गाय का गोबर पूजा स्थान पर गौरी के रूप में रखा जाता है और माताएं बहने इस गाय के गोबर से सुहाग लेती हैं । गोपाष्टमी के पावन अवसर पर प्रातः काल गाय को गंगाजल से मार्जन कराया गया, इसके पश्चात रोली, सिंदूर ,अक्षत, पुष्प समर्पित किया गया हरा चारा तथा गुड़ खिलाया गया और गाय की आरती उतारी गई। इस अवसर पर सुरेंद्र कुमार शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला, अनुज, अनामिका, ईशान ,पूजा ,रुद्रांशी, अनमोल तिवारी, मयंक तिवारी आदि भक्तों ने संयुक्त रूप से आरती की तथा गाय माता का आशीर्वाद प्राप्त किया।

विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य मतदाता सूची का हुआ प्रकाशन,16 दिसम्बर तक प्राप्त की जाएंगी दावे एवं आपत्तियां 21, 22, 28 एवं 29 नवम्बर को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर अर्हता तिथि 1 जनवरी 2027 के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन किया एवं सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को आलेख्य प्रकाशन की मतदाता सूचीयां भी दिलाई गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में जनपद में अवस्थित 06 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों यथा 177-बछरावां (अ0जा0) 179-हरचन्दपुर, 180-रायबरेली, 181-सलोन (अ0जा0), 182-सरेनी एवं 183-ऊँचाहार के मतदेय स्थलों पर निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया।उन्होंने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची का प्रकाशन जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा, विधानसभा



निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय (तहसील) में तथा प्रत्येक पदाभिहित स्थल (मतदान केंद्र) एवं मतदेय स्थल पर कराया गया है। इन सभी स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची की गई आलेख्य मतदाता सूची का संबंधित स्थलों पर जाकर अवलोकन करें तथा किसी प्रकार की त्रुटि अथवा नाम छूटने की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करें। दावे एवं आपत्तियां 17 नवम्बर से जनसामान्य के अवलोकनार्थ उपलब्ध रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनसामान्य से अपील की है कि वे आज प्रकाशित 16 दिसम्बर 2026 तक प्राप्त की जाएंगी तथा इनका निस्तारण 28 दिसम्बर 2026 तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 21 एवं 22 नवम्बर 2026 तथा 28 एवं 29 नवम्बर 2026 को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गई हैं। इन विशेष अभियान दिवसों में मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए फार्म-6 भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), पदाभिहित अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा किया जा सकता है। इसी प्रकार मतदाता सूची से नाम अपमार्जित कराने के लिए फार्म-7 तथा निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में संशोधन, मतदाता फोटो पहचान पत्र के प्रतिस्थापन, दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन एवं निवास परिवर्तन की स्थिति में फार्म-8 भरकर संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में पंजीकरण कराने अथवा किसी भी प्रकार की प्रविष्टि में संशोधन के लिए ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के ECINET मोबाइल ऐप एवं वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से फार्म-6, फार्म-7 एवं फार्म-8 ऑनलाइन सबमिट किए जा सकते हैं।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए जनपद स्तर पर स्थापित डिस्ट्रिक्ट कांटेक्ट सेंटर (डीसीसी) के टोल फ्री नंबर 1950 पर कॉल करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

प्रयागराज मंडल की 7वीं जिला रैली का भव्य समापन, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

स्काउट्स एवं गाइड्स ने विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्साहपूर्वक किया प्रतिभाग, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज मंडल के तत्वावधान में डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में 13 से 16 नवंबर 2026 तक आयोजित चार दिवसीय 7वीं जिला रैली का 16 नवंबर 2026 को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस रैली में चुनार, मिर्जापुर, कानपुर, प्रयागराज, सूबेदारगंज एवं टूंडला सहित मंडल की विभिन्न इकाइयों के प्रतिभागी अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं इकाइयों से आए लगभग 300 स्काउट्स एवं गाइड्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रैली के दौरान प्रतिभागियों को अनुशासन, टीम भावना, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता एवं सेवा भाव से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिला। स्काउट्स एवं गाइड्स युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता तथा समाज सेवा की भावना विकसित करने वाला एक महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके माध्यम से बच्चों एवं युवाओं को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और नैतिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया जाता है। जिला रैली इसी उद्देश्य की पूर्ति का एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां विभिन्न इकाइयों के प्रतिभागी एक साथ मिलकर प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं एवं सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेते हैं। इस प्रकार के आयोजन प्रतिभागियों में सहयोग, भाईचारा, राष्ट्रप्रेम, आपसी सद्भाव तथा विषम परिस्थितियों में कार्य करने की क्षमता विकसित करने में सहायक होते हैं। रैली का शुभारंभ अपर मंडल रेल प्रबंधक (सामान्य) एवं जिला मुख्य आयुक्त, स्काउट्स एवं गाइड्स श्री दीपक कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/कोचिंग एवं जिला आयुक्त/स्काउट श्री कुलदीप कुमार; मंडल मैकेनिकल इंजीनियर/कैरिज एंड वैगन एवं सहायक जिला आयुक्त/स्काउट श्री अंकुर चक्रवर्ती सहित स्काउट्स एवं गाइड्स के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। रैली के अंतर्गत 15 नवंबर को महिला कल्याण समिति की उपाध्यक्षा श्रीमती प्रज्ञा दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रिया तिवारी एवं उप सचिव श्रीमती आकांक्षा राणा के सहयोग से मेहंदी, ड्राइंग, रंगोली एवं क्राफ्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने अपनी कला एवं रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त स्काउट्स एवं गाइड्स को परेड, कम्पास के उपयोग तथा भोजन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीत, समूह नृत्य एवं लोकगीतों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। चार दिवसीय इस रैली का सफल आयोजन युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सेवा एवं सामाजिक समरसता की भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रयागराज मंडल की एक सराहनीय पहल रही।

न्यायालय में विचाराधीन विवादित भूमि पर मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास, सवाल पूछने जा रहे सैकड़ों कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ब्यौहारी में कांग्रेस का सरकार से सीधा सवाल-जनता की समस्याओं का जवाब देने से क्यों बच रही सरकार? गिरफ्तारी से नहीं दबेगी जनहित की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/ब्यौहारी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ब्यौहारी दौरे के दौरान क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर



ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी ने सरकार के सामने जवाबदेही तय करने की तैयारी की थी। मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपकर जनता की समस्याओं से अवगत कराने जा रहे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बांसुकली चौराहे पर ही गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सवाल है कि जब मुख्यमंत्री स्वयं ब्यौहारी आए थे, तो क्षेत्र की जनता की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को मिलने का अवसर क्यों नहीं दिया गया? आखिर जनता की आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचने से पहले ही क्यों रोक दी गई? मुख्यमंत्री के सामने कांग्रेस उठाना चाहती थी ये सात बड़े सवालः-1. ब्यौहारी न्यायालय में विचाराधीन भूमि पर शिलान्यास किस आधार पर? भारतीय स्टेट बैंक ब्यौहारी के सामने स्थित विवादित भूमि का मामला न्यायालय में विचाराधीन बताया जा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उक्त भूमि पर शिलान्यास कराए जाने को लेकर कांग्रेस ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आखिर न्यायालय में लंबित विवाद के बीच शिलान्यास किस आधार पर कराया गया? पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और स्थिति स्पष्ट की जाए। 2. भूमिहीन गरीबों को प्रधानमंत्री आवास से क्यों वंचित रखा जाए? प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र भूमिहीन गरीब परिवारों को भी मिले। आवास के लिए भूमि उपलब्ध कराने की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि गरीब परिवार भी पक्के मकान का सपना पूरा कर सकें। 3. नगर परिषद के निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच कब होगी? नगर परिषद ब्यौहारी में सड़क, नाली, तालाब एवं नल-जल योजना के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इन सभी कार्यों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। न्यायालय में विचाराधीन विवादित भूमि पर मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास, सवाल पूछने जा रहे सैकड़ों कांग्रेसियों को पुलिस ने किया गिरफ्तारः-ब्यौहारी में कांग्रेस का सरकार से सीधा सवाल-जनता की समस्याओं का जवाब देने से क्यों बच रही सरकार? गिरफ्तारी से नहीं दबेगी जनहित की आवाज।ब्यौहारी/शहडोल - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के ब्यौहारी दौरे के दौरान क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी ने सरकार के सामने जवाबदेही तय करने की तैयारी की थी। मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपकर जनता की समस्याओं से अवगत कराने जा रहे ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बनसुकली चौराहे पर ही गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सवाल है कि जब मुख्यमंत्री स्वयं ब्यौहारी आए थे, तो क्षेत्र की जनता की समस्याएं सुनने और उनका समाधान करने के लिए कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को मिलने का अवसर क्यों नहीं दिया गया? आखिर जनता की आवाज मुख्यमंत्री तक पहुंचने से पहले ही क्यों रोक दी गई? मुख्यमंत्री के सामने कांग्रेस उठाना चाहती थी ये सात बड़े सवालः-1. ब्यौहारी न्यायालय में विचाराधीन भूमि पर शिलान्यास किस आधार पर? भारतीय स्टेट बैंक ब्यौहारी के सामने स्थित विवादित भूमि का मामला न्यायालय में विचाराधीन बताया जा रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उक्त भूमि पर शिलान्यास कराए जाने को लेकर कांग्रेस ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आखिर न्यायालय में लंबित विवाद के बीच शिलान्यास किस आधार पर कराया गया? पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और स्थिति स्पष्ट की जाए। 2. भूमिहीन गरीबों को प्रधानमंत्री आवास से क्यों वंचित रखा जाए? प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र भूमिहीन गरीब परिवारों को भी मिले। आवास के लिए भूमि उपलब्ध कराने की उचित व्यवस्था की जाए, ताकि गरीब परिवार भी पक्के मकान का सपना पूरा कर सकें। 3. नगर परिषद के निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं की जांच कब होगी? नगर परिषद ब्यौहारी में सड़क, नाली, तालाब एवं नल-जल योजना के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। इन सभी कार्यों की एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए। 4. गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री पर प्रशासन मौन क्यों? ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में लाइसेंसी शराब दुकानों से कथित रूप से अवैध पैकारी के माध्यम से गांव-गांव शराब बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। 5. 100 बिस्तरों का अस्पताल, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर कहां हैं? सिविल अस्पताल ब्यौहारी 100 बिस्तरों का होने के बावजूद महिला एवं प्रसूति रोग सहित अन्य महत्वपूर्ण विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता है। अस्पताल में तत्काल विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए। 6. बाणसागर विस्थापितों को भूमिस्वामी अधिकार कब मिलेंगे? न्यू बरौंधा में बाणसागर परियोजना से प्रभावित विस्थापितों को आवंटित अहस्तांतरणीय आवासीय भूखंडों के संबंध में नई ऋण पुस्तिका जारी कर उन्हें भूमिस्वामी घोषित किया जाए, ताकि विस्थापित परिवार अपने भूखंडों का निर्विवाद रूप से उपयोग एवं उपभोग कर सकें। 7. लगभग 11 एकड़ वेव खटखारिया तालाब का रकबा कौन कर रहा कम? ब्यौहारी के खटखारिया तालाब का रकबा लगभग 11 एकड़ बताया जाता है। तालाब की मेड़ को पाटकर उसके क्षेत्रफल को कम किए जाने की शिकायत है। इस पर तत्काल रोक लगाकर सीमांकन एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। गिरफ्तारी से नहीं रुकेगी जनता के हक की लड़ाईः- मुख्यमंत्री जी ब्यौहारी आए, शिलान्यास हुए और विकास के दावे भी किए गए, लेकिन क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का उद्देश्य किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करना नहीं, बल्कि ब्यौहारी की जनता की समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाना और उनका समाधान कराना है। जनता की आवाज उठाना अपराध नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस का सवाल है-क्या मुख्यमंत्री वेव दौरे वेवल शिलान्यास और घोषणाओं तक सीमित रहेंगे, या ब्यौहारी की जनता की समस्याओं का समाधान भी होगा? हम गिरफ्तारियों से डरने वाले नहीं हैं। जनता के अधिकार, सम्मान और क्षेत्र के विकास की लड़ाई सड़क से लेकर हर लोकतांत्रिक मंच तक जारी रहेगी। गिरफ्तारी के दौरान प्रमुख रूप से उपस्थित कांग्रेसजनः- जिला संगठन महासचिव विनोद ताम्रकार, रामलखन सिंह, सच्चिदानंद सिंह, ओपी शुक्ला, सुंदरलाल गुप्ता, गीता कोल, हरिशंकर कोरी, पुष्पेंद्र परोहा, चिरंजीवलाल चंचलानी, आदित्य देव सिंह, सोनेलाल कोल, वंशबहादुर सिंह, नरेंद्र पांडे, प्रियदर्शी तिवारी, आयुष ताम्रकार, विक्रम कोल, रावेंद्र वैश्य, श्रीकांत पांडे, रुस्तम पटेल, शंकरिया कोल, सुरेश विश्वकर्मा, राजभान मिश्रा सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। 4. गांव-गांव अवैध शराब की बिक्री पर प्रशासन मौन क्यों? ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र में लाइसेंसी शराब दुकानों से कथित रूप से अवैध पैकारी के माध्यम से गांव-गांव शराब बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन एवं आबकारी विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। अवैध शराब की बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। 5. 100 बिस्तरों का अस्पताल, लेकिन विशेषज्ञ डॉक्टर कहां हैं? सिविल अस्पताल ब्यौहारी 100 बिस्तरों का होने के बावजूद महिला एवं प्रसूति रोग सहित अन्य महत्वपूर्ण विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बाहर जाना पड़ता है। अस्पताल में तत्काल विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए। 6. बाणसागर विस्थापितों को भूमिस्वामी अधिकार कब मिलेंगे? न्यू बरौंधा में बाणसागर परियोजना से प्रभावित विस्थापितों को आवंटित अहस्तांतरणीय आवासीय भूखंडों के संबंध में नई ऋण पुस्तिका जारी कर उन्हें भूमिस्वामी घोषित किया जाए, ताकि विस्थापित परिवार अपने भूखंडों का निर्विवाद रूप से उपयोग एवं उपभोग कर सकें। 7. लगभग 11 एकड़ वेव खटखारिया तालाब का रकबा कौन कर रहा कम? ब्यौहारी के खटखारिया तालाब का रकबा लगभग 11 एकड़ बताया जाता है। तालाब की मेड़ को पाटकर उसके क्षेत्रफल को कम किए जाने की शिकायत है। इस पर तत्काल रोक लगाकर सीमांकन एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। गिरफ्तारी से नहीं रुकेगी जनता के हक की लड़ाईः- मुख्यमंत्री जी ब्यौहारी आए, शिलान्यास हुए और विकास के दावे भी किए गए, लेकिन क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही गिरफ्तार कर लिया गया। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी पिंटू ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस का उद्देश्य किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न करना नहीं, बल्कि ब्यौहारी की जनता की समस्याओं को मुख्यमंत्री तक पहुंचाना और उनका समाधान कराना है। जनता की आवाज उठाना अपराध नहीं है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का संवैधानिक अधिकार है। कांग्रेस का सवाल है-क्या मुख्यमंत्री वेव दौरे वेवल शिलान्यास और घोषणाओं तक सीमित रहेंगे, या ब्यौहारी की जनता की समस्याओं का समाधान भी होगा? हम गिरफ्तारियों से डरने वाले नहीं हैं। जनता के अधिकार, सम्मान और क्षेत्र के विकास की लड़ाई सड़क से लेकर हर लोकतांत्रिक मंच तक जारी रहेगी। गिरफ्तारी के दौरान प्रमुख रूप से उपस्थित कांग्रेसजनः- जिला संगठन महासचिव विनोद ताम्रकार, रामलखन सिंह, सच्चिदानंद सिंह, ओपी शुक्ला, सुंदरलाल गुप्ता, गीता कोल, हरिशंकर कोरी, पुष्पेंद्र परोहा, चिरंजीवलाल चंचलानी, हरि सिंह आदित्य देव सिंह, सोनेलाल कोल, वंशबहादुर सिंह, नरेंद्र पांडे, प्रियदर्शी तिवारी, आशीष शुक्ला आयुष ताम्रकार, विक्रम कोल, संजय गुप्ता रावेंद्र वैश्य, श्रीकांत पांडे, रुस्तम पटेल, शंकरिया कोल, सुरेश विश्वकर्मा, राजभान मिश्रा सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



आस्था का महाकुंभः सेक्टर-71 नोएडा में लोकआस्था के महापर्व छठ का अलौकिक और भव्य समापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शिव शक्ति छठ पूजा समिति वेव अध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उपस्थिति और आत्मीय सहभागिता के बीच, जब संध्या की ठंडी बयार के बीच गन्ने के मंडप तले हाथों में सूप थामे व्रतियों की नम आँखों में डूबते सूरज की लाली उतरी, और आज उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही जब यह पावन महापर्व पूर्ण हुआ, तो ऐसा लगा मानो यह दृश्य केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि इस धरा पर ईश्वर से सीधे संवाद का सबसे पवित्र क्षण था। इस महाव्रत की सबसे बड़ी



खूबसूरती यही है कि यह दुनिया की उस रीत को झुठला देता है जहाँ हमेशा उगते सूरज को ही पूजा जाता है; यह वह महा-साधना है जहाँ अपनी हर पीड़ा और थकान को भुलाकर ढलते और उगते दोनों रूपों में भगवान भास्कर को साष्टांग प्रणाम कर कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। यह अनुपम पर्व हमें सिखाता है कि जीवन के सबसे गहरे अंधकारों और झंझावातों के बीच भी यदि भीतर आस्था का दिया जल रहा है, तो कोई भी रात इतनी लंबी नहीं होती कि सुबह का सूरज न ला सके। इसी हृदयस्पर्शी और अलौकिक संस्कृति की खुशबू से सराबोर होकर सेक्टर-71 शिव शक्ति अपार्टमेंट में मदर डेयरी के निकट स्थित पार्क में इन दिनों किसी भव्य तीर्थ से कम नहीं लग रहा था, जहाँ आज सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही यह अनुष्ठान पूर्ण हुआ। शिव शक्ति छट पूजा के कार्यकारिणी समिति सेक्टर-71 के संयुक्त आत्मीय प्रयासों से आयोजित इस महापर्व में 15 नवंबर की शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को और आज 16 नवंबर की प्रातः 5:00 बजे से उदीयमान सूर्य को अर्पित किए गए। इस अवसर पर आयोजन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहें। अध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव, कैलाश शाह, दिनेश सिंह, अजीत पाठक, मिथिलेश मिश्रा , प्रमोद पाण्डेय , विपुल विकास राजेश नायक, संतोष पाण्डेय, संजीव सिंह ,राजेश शुक्ला सचिन कुमार ,सत्येंद्र सिंह एम एल यादव एवं सभी सेक्टर के निवासी उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों पर रोक को किसान नेता रवि राघव ने बताया सरकारों का नकारापन,हर साल नवंबर-दिसंबर में ही क्यों जागती हैं सरकारें?

प्रदूषण नियंत्रण के साथ श्रमिकों की रोजी-रोटी का भी रखा जाए ध्यान- रवि राघव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (भूमि पुत्र) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं किसान नेता रवि राघव ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के चलते निर्माण कार्यों पर रोक लगाए जाने को सरकारों का नकारापन बताया है। उन्होंने कहा कि हर साल नवंबर और दिसंबर के महीने में केंद्र और दिल्ली सरकार की लापरवाही के चलते दिल्ली-एनसीआर गैस चैंबर बन जाता है। आखिर वायु प्रदूषण बढ़ने के बाद ही सरकारें कार्रवाई क्यों करती हैं? पूरे साल प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए जाते? रवि राघव ने कहा कि यदि सरकारें समय



रहते प्रदूषण की रोकथाम के लिए उचित और प्रभावी कार्रवाई करें तो हर साल ऐसी परिस्थितियां पैदा ही नहीं होंगी। जब प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच जाता है, तभी निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाने जैसे कदम उठाए जाते हैं। सरकारों को पूरे साल प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार देश को विश्व गुरु बनाने की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ हर साल दिल्ली-एनसीआर को गैस चैंबर बनने से रोकने में सरकारें विफल नजर आती हैं। यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। किसान नेता ने कहा कि देश की जीडीपी में रियल एस्टेट क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 10 प्रतिशत है। इसके बावजूद प्रदूषण के कारण इस क्षेत्र को हर साल करीब एक महीने तक बंद करना पड़ता है। निर्माण कार्यों पर रोक लगने से लाखों श्रमिक बेरोजगार हो जाते हैं और उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाता है।

उन्होंने सवाल उठाया कि निर्माण कार्य बंद होने से मजदूरों को खाने के लाले पड़ जाते हैं उसका इंतजाम भी सरकार को करना चाहिए।

सर्दी से बचाव के लिए सावित्री बाई फुले शिक्षा केंद्र के बच्चों को बांटे जूते एवं आवश्यक सामग्री,रेनू बाला शर्मा ने मनु जी के सहयोग के लिए जताया आभार, कहा- सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सर्दी की दस्तक के साथ पहल का उद्देश्य बच्चों को सर्दी से सुरक्षित रखना और उन्हें ठंड



ही जरूरतमंद बच्चों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से सावित्री बाई फुले शिक्षा केंद्र, नोएडा के बच्चों को जूते एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस के मौसम में राहत पहुंचाना है। इस पुनीत कार्य में मनु जी का विशेष सहयोग रहा। उनके सहयोग से बच्चों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर बच्चों के प्रति उनके स्नेह, सहयोग और सेवा भावना की सराहना की गई। सावित्री बाई फुले शिक्षा केंद्र की संचालिका रेनू बाला शर्मा ने मनु जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरतमंद बच्चों की मदद करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। बच्चों के चेहरे पर खुशी देखकर आत्मिक संतुष्टि मिलती है। उन्होंने कहा कि मनु जी का यह सहयोग अत्यंत सराहनीय है। शिक्षा केंद्र की ओर से उनका हृदय की गहराइयों से बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद। रेनू बाला शर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। सेवा और सहयोग की भावना से ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने स्वयं की स्व-गणना, जनपदवासियों से भी स्व-गणना में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील,16 से 30 नवंबर तक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं भरें अपने परिवार की जानकारी

1 दिसंबर से 4 जनवरी तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर की जाएगी जनसंख्या गणना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनगणना-2027 वेव द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) के अंतर्गत जनपद में स्व-गणना की प्रक्रिया 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक संचालित की जा रही है। इसी क्रम में जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने स्वयं स्व-गणना पोर्टल पर अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी दर्ज कर स्व-गणना की प्रक्रिया पूर्ण की तथा जनपदवासियों से भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। सभी जनपदवासी स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपनी एवं अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज करें। स्व-गणना के माध्यम से नागरिक सुविधाजनक तरीके से अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन भर सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना की प्रक्रिया में सर्वप्रथम आधिकारिक पोर्टल



खोलकर अपनी सुविधानुसार भाषा का चयन करना होगा। इसके बाद मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण कर परिवार के स्थान का सत्यापन करते हुए निर्धारित 40 प्रश्नों के उत्तर सावधानीपूर्वक भरने होंगे। सभी जानकारियों की जांच करने के बाद फॉर्म सबमिट करना होगा। स्व-गणना पूर्ण होने पर प्राप्त पहचान संख्या (एसई आईडी) को सुरक्षित रखें तथा प्रगणक के घर आने पर उन्हें उपलब्ध कराएं, जिससे आवश्यक सत्यापन किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है। द्वितीय चरण में 16 से 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध है। इसके पश्चात 01 दिसंबर 2026 से 04 जनवरी 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी तथा 05 से 09 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य संपन्न होगा। जनपद में जनगणना की तैयारियां पूर्णः-जनपद सोनभद्र में जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कुल 16 चार्ज अधिकारी नामित किए गए हैं, जिनमें 04 ग्रामीण एवं 12 नगरीय चार्ज शामिल हैं। जनपद में कुल 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए 4,428 कार्मिकों की तैनाती की गई है, जिनमें 3,781 प्रगणक एवं 647 सुपरवाइजर शामिल हैं। सभी संबंधित कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण कराया जा चुका है। प्रशिक्षण कार्य के लिए 02 मास्टर ट्रेनर एवं 68 फील्ड ट्रेनर भी नियुक्त किए गए हैं। जिलाधिकारी ने सभी जनपदवासियों से अपील की कि वे 30 नवंबर 2026 तक स्व-गणना की प्रक्रिया अवश्य पूर्ण करें तथा प्रगणकों को सही, सटीक एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर इसे सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

श्रीजी गौ सदन में धूमधाम से मनाया गया गोपाष्टमी महोत्सव, गौसेवा का दिया संदेश

गौ-शिशु आश्रय गृह एवं बाल शिक्षा कक्ष का हुआ भव्य लोकार्पण, स्वामी दीपांकर जी महाराज ने गौसेवा को बताया प्रभुसेवा का माध्यम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-94 स्थित श्रीजी गौ सदन में गोवंश संरक्षण, संवर्धन



एवं गौसेवा के पुनीत उद्देश्य को समर्पित गोपाष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गौमाता का विधि-विधान से पूजन किया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा निर्मित 'गौ-शिशु आश्रय गृह' एवं 'बाल शिक्षा कक्ष' तथा श्री सतनारायण गोयल द्वारा कराए गए हवन स्थल के सौंदर्यीकरण का भव्य लोकार्पण रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं गौमाता के पूजन के साथ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि स्वामी दीपांकर जी महाराज एवं मां गीतेश्वरी जी (गीता आश्रम, दिल्ली) सहित श्री जे.के. दादू, आईएएस (पूर्व सचिव, भारत सरकार), कैप्टन विकास गुप्ता (अध्यक्ष, कृषि अनुसंधान संस्थान, उत्तर प्रदेश), महेश चौहान (अध्यक्ष, महानगर नोएडा), श्रीमती विमला बाथम (पूर्व विधायक, नोएडा) एवं श्री गोपाल अग्रवाल (राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा) की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर स्वामी दीपांकर जी महाराज ने गौसेवा को प्रभुसेवा का माध्यम बताते हुए गौवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। श्रीजी गौ सदन के अध्यक्ष श्री विकास अग्रवाल एवं महासचिव श्री सुशील भारद्वाज ने बताया कि गौसदन निरंतर निराश्रित, बीमार एवं असहाय गोवंश की सेवा, उपचार, पोषण एवं संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। संस्था का उद्देश्य गोवंश को सुरक्षित आश्रय और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की तस्वीर-केशव प्रसाद मौर्य

किसानों की आय और युवाओं के रोजगार को मिलेगा नया विस्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने के साथ किसानों की समृद्धि और युवाओं के रोजगार का महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन होने से किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलेगा तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में उत्तर प्रदेश का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में निवेश अनुकूल वातावरण तैयार कर उद्योगों की स्थापना, विस्तार और आधुनिक तकनीक के उपयोग को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के साथ नवीकरणीय एवं हरित ऊर्जा को भी प्राथमिकता दे रही है। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों में सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना समय की आवश्यकता है। इससे उत्पादन लागत में कमी आएगी और उद्योग अधिक आत्मनिर्भर, टिकाऊ एवं प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों, अनुदानों एवं निवेश सुविधाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी प्रदेश में निवेश के लिए आगे आएं। विशेष रूप से स्थानीय कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, महिला उद्यमिता और ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना पर ध्यान दिया जाए। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत प्राप्त निवेश प्रस्तावों के परीक्षण एवं संस्तुति के लिए मंगलवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन श्री बी.एल. मीणा की अध्यक्षता में अप्रेजल समिति की बैठक आयोजित की गई।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक सम्पन्न, 21, 22, 28 एवं 29 नवंबर को आयोजित होंगे विशेष अभियान दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के संबंध में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों की प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची की विधानसभा-वार प्रतियां राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गईं। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से महिला मतदाताओं के नाम जोड़ने, जेंडर रेशियो में सुधार करने तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा एवं अन्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने स्तर से भी पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक एवं प्रेरित करें। विशेष अभियान दिवसों पर अपने बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, अपात्र प्रविष्टियों एवं त्रुटियों के निराकरण की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान दिनांक 17 नवंबर 2026 से 16 दिसंबर 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अवधि में मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। अधिकाधिक पात्र मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए 21 नवंबर, 22 नवंबर, 28 नवंबर एवं 29 नवंबर 2026 को विशेष अभियान दिवस निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने जनपद के सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे आलेख्य मतदाता सूची का अवलोकन अवश्य करें तथा यदि उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है अथवा किसी प्रकार की त्रुटि है, तो निर्धारित अवधि में आवश्यक प्रपत्र के माध्यम से अपना दावा अथवा आपत्ति प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने कहा कि राजनीतिक दलों एवं आम नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से ही शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।



मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान, महिला एवं युवा मतदाताओं के नाम जोड़ने पर विशेष जोर

बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी से श्री राजीव त्रिपाठी पीसीसी ऑब्जर्वर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी; समाजवादी पार्टी से श्री राम निहोर यादव जिलाध्यक्ष; भारतीय जनता पार्टी से श्री अनिल सिंह जिला मंत्री, सीपीआईएम से श्री नंदलाल आर्य जिला मंत्री; आम आदमी पार्टी से श्री रमेश गौतम जिलाध्यक्ष तथा बहुजन समाज पार्टी से रामचन्द्र राय एवं श्री महेन्द्र भारती महासचिव विधानसभा उपस्थित रहे।इस मौके पर अपर जिला अधिकारी श्री वागीश कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी घोरावल श्री विशाल सिंह, उप जिलाधिकारी घोरावल श्री रवि पासवान, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल एंव संबंधित निर्वाचन अधिकारी एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को शादी-विवाह पुरस्कार/अनुदान योजना के तहत मिलेगा अधिकतम 35 हजार रुपये का लाभ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सोनभद्र श्रीमती दिव्या शुक्ला ने अवगत कराया है कि निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा संचालित शादी-विवाह पुरस्कार/अनुदान योजना के अंतर्गत ऐसे दिव्यांगजन, जिनका विवाह विगत वित्तीय वर्ष 2025-26 अथवा वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में सम्पन्न हुआ है, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के तहत दम्पति में पति के दिव्यांग होने की दशा में 15,000 रुपये, पत्नी के दिव्यांग होने की दशा में 20,000 रुपये तथा पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35,000 रुपये की अनुदान/पुरस्कार राशि प्रदान किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि पात्र दिव्यांगजन योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु विभागीय वेबसाइट http://divyangjan.upsdc.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के उपरान्त उसकी हार्डकॉपी आवश्यक अभिलेखों सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कमरा संख्या-11, सोनभद्र में जमा करना अनिवार्य है। ऑनलाइन आवेदन के लिए दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम संयुक्त फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र (स्वैच्छिक), संबंधित दिव्यांगजन का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र (दम्पति में कोई भी सदस्य आयकरदाता की श्रेणी में न हो), अधिवास/निवास एवं जाति प्रमाण-पत्र, पति-पत्नी की जन्मतिथि अंकित आयु प्रमाण-पत्र, पति-पत्नी का संयुक्त बैंक खाता, पति-पत्नी का आधार कार्ड तथा 10 रुपये के जुडिशियल स्टाम्प पेपर पर करार विलेख प्रस्तुत करना होगा।



उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा युवती की आयु 18 वर्ष से कम एवं 45 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

अतः जनपद के समस्त पात्र दिव्यांगजनों से अपील है कि निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त करें।

आदर्श आचार संहिता के दौरान सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों से दूर रहने के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी, सोनभद्र चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आचरण के संबंध में आदर्श आचार संहिता के अनुपालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किसी भी सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी से अपेक्षा नहीं की जाती है कि वह किसी चुनाव प्रचार या राजनीतिक अभियान में भाग ले। सरकारी कर्मचारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि वे किसी व्यक्ति, राजनीतिक दल अथवा समूह के पक्ष में अपने नाम, पद, आधिकारिक हैसियत या अधिकार का उपयोग न करें। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधान उन सभी संगठनों, समितियों, निगमों एवं अन्य संस्थाओं पर भी लागू होंगे, जिन्हें पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन संस्थाओं में कार्यरत कर्मचारियों को भी आयोग के निर्देशों का अनुपालन करना होगा। इसके अतिरिक्त, संबंधित राज्य सेवा आचरण नियमों के अंतर्गत सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने तथा चुनावों में किसी प्रकार की राजनीतिक भूमिका निभाने से प्रतिबंधित किया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित ऐसे व्यक्ति, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा विभिन्न पदों पर संबद्ध अथवा नियोजित किया गया है तथा जिनके लिए आदर्श आचार संहिता की अवधि में राजनीतिक निष्पक्षता एवं आचरण के संबंध में कोई विशिष्ट दिशा-निर्देश निर्धारित नहीं हैं, उन्हें भी भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। उन्होंने आगे बताया कि आदर्श आचार संहिता की अवधि में सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर लागू प्रतिबंध एवं निषेध उपरोक्त श्रेणी के व्यक्तियों पर भी समान रूप से लागू होंगे। ऐसे व्यक्ति उस निर्वाचन क्षेत्र अथवा जनपद के किसी भी निर्वाचन से संबंधित अधिकारी को किसी आधिकारिक चर्चा अथवा बैठक के लिए आमंत्रित नहीं करेंगे, जहां चुनाव की घोषणा की जा चुकी है।



साथ ही, ऐसे जनपद में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी किसी प्रकार की आधिकारिक बैठक आयोजित नहीं करेंगे। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले किसी भी कृत्य को गंभीरता से लिया जाएगा। अतः सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी राजनीतिक निष्पक्षता बनाए रखते हुए निर्वाचन आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

सोनभद्र में दो एंबुलेंसकर्मी सम्मानित,मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने के लिए सीएमओ ने दिया सम्मान

सोनभद्र। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाने में एंबुलेंस कर्मियों की भूमिका अहम होती है। इसी जिम्मेदारी का बेहतर तरीके से निर्वहन करने पर अक्टूबर माह में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले ईएमटी (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) कुमारी मिन्नता मौर्य और एंबुलेंस पायलट गोविंद को सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुमार मिश्रा ने दोनों कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्यों के लिए मंगलवार की शाम 4 बजे सम्मानित किया। अक्टूबर माह के दौरान दोनों ने एंबुलेंस सेवा के माध्यम से मरीजों को समय पर अस्पताल और निर्धारित स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाने में तत्परता दिखाई। आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए मरीजों को समय से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में एंबुलेंस कर्मचारियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। विशेषकर आपातकालीन स्थिति में मरीज को समय पर अस्पताल पहुंचाना कई बार जीवन बचाने में निर्णायक साबित होता है। ऐसे में कर्मचारियों की सक्रियता, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना सराहनीय है। इस मौके पर 102/108 एंबुलेंस सेवा के नोडल अधिकारी धर्मेंद्र तिवारी भी मौजूद रहे। उन्होंने दोनों कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बेहतर सेवा देने वाले कर्मचारियों का सम्मान दूसरे कर्मियों को भी अपने दायित्वों के प्रति प्रेरित करता है। सम्मानित कर्मचारियों ने भी भविष्य में पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ मरीजों को बेहतर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प जताया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है


नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स







सिगरेट पीने से रूमेटॉइड आर्थराइटिस का खतरा,धुएं में जिंदगी न उड़ाएं, डॉक्टर की ये 10 बातें करें फॉलो

गुरुग्राम। क्या आपने कभी सोचा है कि सिगरेट पीने की आदत का असर हाथों की उंगलियों और घुटनों के जोड़ों पर भी पड़ सकता है? आमतौर पर स्मोकिंग से होने वाले नुकसान में फेफड़ों की बीमारी, हार्ट अटैक और कैंसर का जिक्र होता है। लेकिन इसका असर शरीर के इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है, जिससे रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) का रिस्क बढ़ सकता है। आरए जोड़ों से जुड़ी एक ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम, जो आमतौर पर हमें बीमारियों से बचाता है, गलती से अपने ही जोड़ों पर हमला करने लगता है। इससे जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न होने लगती है। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर साइंसेज' में पब्लिश रिसर्च के मुताबिक, स्मोकिंग करने वालों में नॉन-स्मोकर्स के मुकाबले आरए होने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए आज 'फिजिकल हेल्थ' में बात करेंगे रूमेटॉइड आर्थराइटिस और स्मोकिंग के कनेक्शन की। साथ ही जानेंगे कि- स्मोकिंग आरए का खतरा कैसे बढ़ाती है? आरए से बचाव के लिए खानपान और लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. हेमंत बंसल, सीनियर कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स एंड जॉइंट रिप्लेसमेंट, नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।



सवाल- रूमेटॉइड आर्थराइटिस और सामान्य आर्थराइटिस में क्या फर्क है? जवाब- दोनों में जोड़ों में दर्द और सूजन होती है, लेकिन इनके कारण अलग-अलग होते हैं। रूमेटॉइड आर्थराइटिसः- ऑटोइम्यून बीमारी, 30-50 वर्ष में भी हो सकता है, महिलाओं में ज्यादा, छोटे जोड़ जैसे उंगलियां कलाई, पैर में दर्द, अक्सर दोनों तरफ समान असर, सूजन ज्यादा, रेस्टिंग मोड में भी दर्द, आंख, फेफड़े, दिल पर प्रभाव। सामान्य आर्थराइटिसः- जोड़ों का घिसना, अमूमन बढ़ती उम्र में उम्रदराज लोगों में घुटने, कमर, गर्दन, कूल्हे में दर्द, एक तरफ ज्यादा हो सकता है, सूजन कम, चलने, काम करने पर दर्द अन्य अंगों पर कोई प्रभाव नहीं। सवाल- स्टडीज के मुताबिक सिगरेट पीने वाली महिलाओं में आरए का रिस्क बढ़ जाता है। ऐसा क्यों है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- स्मोकिंग लंग्स में ऐसे बदलाव शुरू करती है, जहां से ऑटोइम्यून रिएक्शन ट्रिगर होता है। तंबाकू का धुआं प्रोटीन के सट्रक्चर बदलकर शरीर को उन्हें 'अजनबी' मानने पर मजबूर करता है, जिससे ऑटोएंटीबॉडी बनने लगती हैं। महिलाओं में एस्ट्रोजन जैसे हॉर्मोन इम्यून सिस्टम को ज्यादा संवेदनशील बनाते हैं, इसलिए स्मोकिंग के साथ यह रिएक्शन और तेज हो जाता है। अगर



(आरए) क्या है? जवाब- रूमेटॉइड आर्थराइटिस (आरए) एक क्रॉनिक ऑटोइम्यून बीमारी है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम गलती से अपने ही जोड़ों (जैसे हाथ, पैर, कलाई) की लेयर पर हमला करने लगता है। इससे- जोड़ों में सूजन, दर्द, जकड़न और समय के साथ डैमेज हो सकता है। यह सिर्फ जॉइंट्स तक सीमित नहीं रहता, बल्कि आंख, लंग्स और हार्ट जैसे ऑर्गन्स को भी प्रभावित कर सकता है। आरए आमतौर पर धीरे-धीरे बढ़ता है और अगर साथ में जेनेटिक टेडेंसी भी हो, तो यह कॉम्बिनेशन आरए का रिस्क कई गुना बढ़ा देता है। सवाल- स्मोकिंग इम्यून सिस्टम को कैसे डिस्टर्ब करती है और आरए को ट्रिगर करती है? जवाब- सिगरेट के टॉक्सिन्स शरीर की डिफेंस मैकेनिज्म को बिगाड़ देते हैं। इससे शरीर खुद के टिश्यू पर हमला करने लगता है। पॉइंटर्स से समझते हैं- इम्यून ओवर-एक्टिवेशन-इम्यून सेल्स जरूरत से ज्यादा एक्टिव हो जाते हैं। बॉडी अपने ही जॉइंट्स पर हमला करने लगती है। सिद्धलिनेशन बढ़ती है-स्मोकिंग लंग्स में प्रोटीन को बदल देती है। शरीर इन्हें अजनबी मानकर एंटीबॉडी बनाता है। यहीं से आरए की शुरुआत हो सकती है। क्रॉनिक इंफ्लेमेशन-स्मोकिंग के केमिकल्स लगातार सूजन बढ़ाते हैं। यही जॉइंट्स को धीरे-धीरे डैमेज करती है। ऑटोएंटीबॉडी बढ़ना-आरए से जुड़े एंटीबॉडी बढ़ जाते हैं। ये जॉइंट्स की लाइनिंग पर हमला करते हैं। जेनेटिक रिस्क ट्रिगरः-कुछ लोगों में माता-पिता से मिले जीन के कारण आरए होने की आशंका ज्यादा होती है। ऐसे लोगों में स्मोकिंग इस बीमारी का रिस्क और बढ़ा सकती है। इम्यून बैलेंस बिगड़नाः-सूजन कंट्रोल करने वाले सेल्स कम हो जाते हैं। इससे सूजन बढ़ाने वाले सेल्स ज्यादा हो जाते हैं। स्मोकिंग से इम्यून सिस्टम का संतुलन बिगड़ता है। इससे शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता प्रभावित होती है और जोड़ों में सूजन बढ़ सकती है। लंबे समय तक स्मोकिंग करने से रूमेटॉइड आर्थराइटिस का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। सवाल- क्या पैसिव स्मोकिंग भी उतनी ही खतरनाक है? जवाब- पैसिव स्मोकिंग (दूसरों के धुएं में रहना) भी खतरनाक है, लेकिन इसकी फ्रिक्वेंसी एक्टिव स्मोकिंग की तरह नहीं है। फिर भी लंबे समय तक एक्सपोजर में रहने पर इसमें



मौजूद टॉक्सिन्स और केमिकल्स बॉडी में इंफ्लेमेशन बढ़ाते हैं, इम्यून सिस्टम को कमजोर करते हैं और रूमेटॉइड आर्थराइटिस जैसी बीमारियों का रिस्क बढ़ा सकते हैं। सवाल- कितने समय तक स्मोकिंग करने से रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- स्मोकिंग से होने वाला खतरा इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति कितने साल से और रोज कितनी सिगरेट पी रहा है। इसे पॉइंटर्स से समझिए-इसे मापने के लिए 'पैक ईयर' का इस्तेमाल किया जाता है। एक पैक में आमतौर पर 20 सिगरेट होती हैं। अगर कोई व्यक्ति रोज 20 सिगरेट यानी एक पैकेट पीता है, तो एक साल में उसका एक्सपोजर 1 पैक ईयर माना जाता है। पैक ईयर जितना ज्यादा होगा रिस्क उतना बढ़ेगा। सवाल- क्या स्मोकिंग से इंफ्लेमेशन का रिस्क बढ़ता है? जवाब- हां, स्मोकिंग से शरीर में सूजन (इंफ्लेमेशन) बढ़ सकती है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- सिगरेट के धुएं में मौजूद जहरीले केमिकल शरीर की सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे शरीर का इम्यून सिस्टम सक्रिय हो जाता है और सूजन बढ़ाने वाले केमिकल छोड़ने लगता है। लंबे समय तक ऐसा होने से शरीर में लगातार हल्की सूजन बनी रह सकती है, जो धीरे-धीरे जॉइंट्स, हार्ट और दूसरे ऑर्गन्स को नुकसान पहुंचा सकती है। सवाल- स्मोकिंग के अलावा कौन-सी लाइफस्टाइल हैबिट्स से इसका रिस्क बढ़ता है? जवाब- स्मोकिंग आरए का बड़ा ट्रिगर है, लेकिन अकेला कारण नहीं है। कई लाइफस्टाइल फैक्टर्स इम्यून सिस्टम को डिस्टर्ब करते हैं। 7 खराब आदतें जिनसे बढ़ता रूमेटॉइड आर्थराइटिस का रिस्कः-फिजिकल एक्टिविटी न करना। नींद पूरी न लेना। लंबे समय तक बैठे रहना। अनहेल्दी डाइट लेना। शुगर, रिफाइंड कार्ब खाना। क्रॉनिक स्ट्रेस में रहना। स्मोकिंग करना। सवाल- अगर पेरेंट्स स्मोकर हों तो क्या बच्चों में आरए का रिस्क बढ़ सकता है? जवाब- माता-पिता के स्मोकर होने से बच्चों में आरए का रिस्क सीधे बढ़ता है, इसका ठोस प्रमाण नहीं है। हालांकि, इसे दो पहलुओं से समझ सकते हैं-पैसिव स्मोकिंगः- बचपन में लगातार सिगरेट के धुएं के एक्सपोजर में रहने से शरीर हानिकारक केमिकल्स के संपर्क में आता है। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है और इम्यून सिस्टम प्रभावित हो सकता है। जेनेटिक और एनवायर्नमेंटल कारणः- अगर माता-पिता को आरए है, तो बच्चे में इस बीमारी की आनुवंशिक संवेदनशीलता हो सकती है। ऐसे में स्मोकिंग जैसे एनवायर्नमेंटल फैक्टर भविष्य में बीमारी का रिस्क बढ़ा सकते हैं। हालांकि, माता-पिता की स्मोकिंग से बच्चे को आरए होगा, ऐसा निश्चित नहीं है। सवाल- आरए के शुरुआती लक्षण क्या हो सकते हैं? जवाब- इसके शुरुआती लक्षण अक्सर हल्के होते हैं और लोग इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। रूमेटॉइड आर्थराइटिस के शुरुआती लक्षणः- सुबह जोड़ों में जकड़न, हल्का पर लगातार जॉइंट पेन, जोड़ों में सूजन, गर्माहट और रेडनेस, जोड़ों की ग्रिप कमजोर होना। जोड़ों को हिलाने-डुलाने में कठिनाई, हमेशा थकान और सुस्ती। हल्का बुखार रहना। भूख कम लगना। नींद पूरी न होना। अचानक वजन कम होना। सवाल- आरए से बचाव के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- रूमेटॉइड आर्थराइटिस को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता लेकिन सही लाइफस्टाइल अपनाकर इसके रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है। रूमेटॉइड आर्थराइटिस से बचाव के टिप्सः- योग करें। मेडिटेशन करें। नियमित एक्सरसाइज करें। डीप ब्रीदिंग करें। स्मोकिंग न करें। पर्याप्त नींद लें। वजन कंट्रोल में रखें। एंटी-इन्फ्लेमेटरी डाइट लें। प्रोसेस्ड, जंक फूड अवॉइड करें। शुरुआती लक्षण इग्नोर न करें। सवाल- इसके लिए व्यक्ति की फूड हैबिट्स कैसी होनी चाहिए? जवाब- आरए (रूमेटॉइड आर्थराइटिस) में ऐसी डाइट लेनी चाहिए, जो शरीर में सूजन कम करने और इम्यून सिस्टम को हेल्दी रखने में मदद करे। हेल्दी एंटी- इन्फ्लेमेटरी डाइटः- फाइबर सबसे जरूरी (हरी सब्जियां, गाजर, शकरकंद) ओमेगा-3 फैटी एसिडः- (अलसी, अखरोट, चिया सीड्स) प्रोटीन बैलेंसः- (दालें, पनीर, अंडा, सोया) कैल्शियम रिच फूड- (दूध, दही, पनीर) सबसे जरूरी !!! नमक और चीनी कंट्रोल में। पानी खूब सारा।

विटामिन-डी सप्लीमेंट। सवाल- कब तुरंत डॉक्टर को दिखाने की जरूरत होती है? जवाब- रूमेटॉइड आर्थराइटिस कुछ संकेत ऐसे होते हैं जहां तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए,जैसेकि- ज्यादा सूजन, लालिमा और गर्माहट हो। दर्द के साथ बुखार आए। जॉइंट हिलाना मुश्किल हो जाए। रोजाना लंबे समय तक स्टिफनेस रहे। कई जॉइंट्स में एक साथ दर्द/सूजन हो। ग्रिप कमजोर हो। रोजमर्रा के काम में दिक्कत हो। थकान, वजन कम हो, भूख न लगे। लक्षण 2-3 हफ्तों से ज्यादा बने रहें और धीरे-धीरे बढ़ते जाएं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए मिचेल सैंटनर,पांचवें वनडे में दाएं हाथ में फ्रैक्चर हुआ

स्पोर्ट डेस्क। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले झटका लगा है। टीम के व्हाइट-बॉल कप्तान और अनुभवी स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर दाएं हाथ में फ्रैक्चर के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। रविवार को भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी वनडे में बल्लेबाजी के दौरान सेंटनर के हाथ पर गेंद लगी थी। इसके बाद कराए गए स्कैन में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मीडिया रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। सैंटनर के बाहर होने के बाद सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स के स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को टॉम लाथम की कप्तानी वाली टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में आयरलैंड के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया था। उन्होंने अपने पहले टेस्ट की एक पारी में 98 रन बनाए थे। 129 गेंदों की इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया था। उनका बल्लेबाजी औसत 98 और स्ट्राइक रेट 75.96 रहा। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में खेलने पर भी संशयः- न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, सैंटनर की मैदान पर वापसी की समय-सीमा तय की जा रही है। भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद न्यूजीलैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है।



बोर्ड ऑस्ट्रेलिया सीरीज में सेंटनर की उपलब्धता पर बाद में अपडेट देगा। वनडे सीरीज में 1-3 से हारी थी न्यूजीलैंडः-भारत के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में भी न्यूजीलैंड की टीम चोटों से परेशान रही थी। सीरीज में उसके कई प्रमुख खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। टीम को यह सीरीज 1-3 से गंवानी पड़ी थी।

धोनी का आईपीएल से संन्यास, सीएसके के मेंटर बने,19 सीजन में 5 खिताब जिताए, मालिकों से वीडियो कॉल पर कहा- रिलीज कर दो

स्पोर्ट डेस्क। धोनी ने आईपीएल से संन्यास ले लिया है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मंगलवार को महेंद्र सिंह धोनी को टीम का मेंटर बनाया। उनकी कप्तानी में सीएसके ने 5 आईपीएल और 2 चैंपियंस लीग खिताब जीते हैं। इस टूर्नामेंट में किसी कप्तान के नाम इतने खिताब नहीं हैं। सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन ने कहा, धोनी के बिना सीएसके की कल्पना नहीं की जा सकती। धोनी हमेशा सीएसके की पहचान रहेंगे और यह टीम उनका घर रहेगी। धोनी 19 साल आईपीएल खेले। उन्होंने 278 मैच में 5,314 रन बनाए। आखिरी गेंद पर मैच जिताने वाले उनके शॉट्स और हेलिकॉप्टर शॉट आज भी आईपीएल की यादगार कहानियों का हिस्सा हैं। चेन्नई की एक और मालकिन रूपा गुरुनाथ ने बताया कि शनिवार को वीडियो कॉल पर 2027 सीजन के लिए चेन्नई से रिलीज होने वाले खिलाड़ियों पर चर्चा हो रही थी। तभी धोनी ने बहुत धीरे से कहा- शायद आपको इसमें मेरा नाम भी जोड़ देना चाहिए। धोनी के बिना सीएसके की कल्पना नहीं की जा सकतीः- सीएसके के मालिक एन. श्रीनिवासन ने कहा, धोनी के बिना सीएसके की कल्पना नहीं की जा सकती। करीब 20 साल से हमारा साथ



है। 2008 में मैंने ही उन्हें टीम में शामिल करने की बात कही थी। यह मेरा सबसे अच्छा फैसला था। धोनी हमेशा सीएसके की पहचान रहेंगे और यह टीम उनका घर रहेगी। 2026 में एक मैच भी नहीं खेलेः-2026 में धोनी चोट के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक भी मैच नहीं खेल सके। इससे पहले आईपीएल 2025 में उन्होंने 14 मैचों में 196 रन बनाए थे। सीएसके ने चेन्नई के साथ 17 सीजन बिताएः-धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 17 सीजन बिताए। 2016 और 2017 में टीम पर प्रतिबंध लगने के कारण वे राइजिंग पुणे सुपरजायंट के लिए खेले। सीएसके बोली- धोनी जैसा खिलाड़ी जिंदगी में एक बार आता हैः-सीएसके की मालिक रूपा गुरुनाथ ने कहा, धोनी जैसा खिलाड़ी जिंदगी में एक बार आता है। वे शुरुआत से टीम के साथ हैं और उन्होंने इसकी नींव मजबूत की है। उनकी कप्तानी, सादगी और अनुभव टीम के लिए हमेशा खास रहेंगे। मेंटर के तौर पर वे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने में मदद करेंगे।'

गिल- भारत पहले टेस्ट में 4 पेसर उतारेगाःबुमराह एक साल बाद लौटेंगे, पंत को लेकर भी दुविधा नहीं, न्यूजीलैंड से 19 से मुकाबला

स्पोर्ट डेस्क। न्यूजीलैंड दौरे पर गई भारतीय टीम वेलिंगटन टेस्ट में 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी। कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।गिल ने ऋषभ पंत के खेलने की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा- टीम मैनेजमेंट के सामने पंत को लेकर कोई दुविधा नहीं है। इस मुकाबले से जसप्रीत बुमराह करीब एक साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे। बुमराह ने पिछला टेस्ट 22 नवंबर 2025 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में खेला था। प्लेइंग-11 में 7 बल्लेबाज, अंशुल-आकाश भी बैटिंग कर सकते हैं:-गिल ने बताया कि टीम 7 बल्लेबाजों के साथ उतरेगी। नंबर 8 और 9 पर अंशुल कंबोज और आकाश दीप बल्लेबाजी में योगदान दे सकते हैं। नीतीश कुमार रेड्डी भी बल्लेबाजी का विकल्प हैं। गिल ने कहा कि सभी तेज गेंदबाजों ने वनडे में अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में प्लेइंग-11 के लिए चार गेंदबाजों का चयन करना आसान नहीं होगा। टीम अभी अंतिम कॉम्बिनेशन तय कर रही है। गिल ने प्लेइंग-11 में स्पिनरों की संख्या को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। ऐसे में रवींद्र जडेजा या वॉशिंगटन सुंदर जैसे स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर को मौका मिल सकता है। कुलदीप की जगह गुरनूर बरार टीम में शामिलः-जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम मैनेजमेंट ने कुछ दिन पहले स्पिनर कुलदीप यादव को टेस्ट स्क्वॉड से रिलीज कर तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को शामिल किया था। इससे टीम के तेज गेंदबाजी विकल्प बढ़े हैं। हालांकि, प्लेइंग-11 में चार तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर के रूप में रवींद्र जडेजा या वॉशिंगटन सुंदर में से किसे मौका मिलेगा, इस पर कप्तान ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। पंत की फॉर्म और फिटनेस पर उठ रहे सवालों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि पंत टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं। वे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रन बना चुके हैं और ऑस्ट्रेलिया में भी टेस्ट शतक लगा चुके हैं। गिल ने कहा, 'ऋषभ पंत को लेकर कोई दुविधा नहीं है। उन्होंने 50 टेस्ट खेले हैं और दुनिया भर में रन बनाए हैं। वह ऐसे विकेटकीपर हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भी शतक लगाया है।' भारत की नजर टेस्ट सीरीज जीतने पर:-भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज जीत ली हैं। अब टीम टेस्ट सीरीज जीतकर न्यूजीलैंड दौरे पर लगातार तीसरी सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। हालांकि, गिल ने इसे वनडे सीरीज से बड़ी चुनौती बताया है।



पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में श्रीलंका की खराब शुरुआत

स्पोर्ट डेस्क। श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी टेस्ट में खराब शुरुआत की है। टीम ने मंगलवार को मुकाबले के पहले दिन लंच ब्रेक तक 85 रन पर 6 विकेट गंवा दिए हैं। टॉस हारकर बैटिंग करने उतरी श्रीलंका के टॉप-5 बैटर्स दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। लाहिरू कुमारा 4, पसिंदु सूर्यबंदारा 2, दिनेश चंडीमल 7, कामिंदु मेंडिस 8 और धनंजया डी सिल्वा एक रन बनाकर आउट हुए। 36 रन पर 5 विकेट गंवाने के बाद कप्तान कुसल मेंडिस ने सोनल दिनूषा के साथ छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी करके बिखरती पारी को संभालने की कोशिश की। हालांकि, मेंडिस खुद 32 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें आमिर जमाल ने साकिब खान के हाथों कैच कराया। मेंडिस ने अपनी पारी में 5 चौके मारे।पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों ने पहले एक घंटे में श्रीलंका के 4 बैटर्स को पवेलियन भेज दिया। इसकी शुरुआत साकिब खान ने छठे ओवर में की। साकिब ने ओपनर पसिंदु सूर्यबंदारा को गाजी गौरी के हाथों कैच कराया। पसिंदु महज 17 गेंद का सामना ही कर सके। इसके बाद मोहम्मद अब्बास ने चंडीमल और मेंडिस को पवेलियन भेज दिया। उदारा को रजाउल्लाह ने आउट किया। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाजी मजबूत करने के लिए आमेर जमाल को टीम में शामिल किया है। उन्हें अराफात मिन्हास की जगह मौका मिला है। श्रीलंका ने तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की जगह स्पिनर प्रभात जयसूर्या को उतारा है।

रचिन बोले- वेलिंगटन की पिच में पेसर्स को मदद,बाद के दिनों में रन भी बनेंगे, 19 नवंबर से भारत-न्यूजीलैंड पहला टेस्ट

स्पोर्ट डेस्क। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले न्यूजीलैंड की पिचों पर बात की है। 26 साल के रचिन ने कहा- वेलिंगटन टेस्ट की शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है, लेकिन मैच आगे बढ़ने पर बल्लेबाजी आसान हो जाती है। रविंद्र ने कहा कि भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छा मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट गुरुवार से शुरू होगा। न्यूजीलैंड की पिचें टेस्ट क्रिकेट की पहचानः रचिन रवींद्रः-रविंद्र ने कहा कि न्यूजीलैंड की पिचों पर घास और हरापन देखकर सवाल उठता है कि गेंद कितना स्विंग, उछाल या सीम करेगी। उन्होंने कहा कि यह सामान्य टेस्ट विकेट की पहचान है। रचिन कहा, नई गेंद हमेशा ऐसा करेगी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में बेसिन में शानदार स्कोर और अच्छे क्रिकेट मैच देखने को मिले हैं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि विकेट हमेशा की तरह अच्छा होगा। रविंद्र ने कहा, 'यहां अच्छा उछाल और गेंद का अच्छा कैरी मिलता है। लेकिन न्यूजीलैंड में टेस्ट क्रिकेट ऐसा ही है। यहां तेज गेंदबाजों का दबदबा रहने की संभावना होती है। स्पिनर भी थोड़ा योगदान देते हैं।रचिन ने कहा कि शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलने के बावजूद बल्लेबाज टिकने के बाद बड़ा स्कोर बना सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी योजना पर भरोसा रखना होगा। कंधे की चोट के बाद वापसीः- 26 साल के रविंद्र कंधा खिसकने के बाद वापसी कर रहे हैं। वे आठ हफ्ते तक रिहैबिलिटेशन में रहे। इस दौरान उन्हें टीम के साथियों को मैदान से बाहर बैठकर देखना पड़ा। उन्होंने कहा, 'टीवी पर खिलाड़ियों को खेलते हुए देखते समय फियर ऑफ मिसिंग आउट होता है। आप मैदान पर रहना चाहते हैं।' रविंद्र ने कहा, 'मैं खासतौर पर वेलिंगटन में वापसी को लेकर उत्साहित हूं। अपने घरेलू मैदान पर तीन महीने बाद पहला मैच खेलना हमेशा अच्छा लगता है।' बेसिन रिजर्व की तेज हवाओं के लिए तैयारीः-स्थानीय खिलाड़ी होने के नाते रविंद्र रवींद्र वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में चलने वाली तेज उत्तरी हवाओं से अच्छे परिचित हैं। उन्होंने कहा कि ये हवाएं बैटिंग को कठिन कर सकती हैं।

कैलोरी गिनना तो सीख लिया, अब न्यूट्रिएंट्स गिनना भी सीखें

इस रविवार को शिमला रवाना होने से पहले मैंने लंच जुटा पाया। लेकिन इस बातचीत ने मुझे सोचने पर मजबूर कर पाचन, गट-हेल्थ और ब्लड शुगर रेगुलेशन में मददगार है।



थोड़ा जल्दी किया था। बुफे में एक न्यूट्रिशन एक्सपर्ट के पीछे खड़े होकर मैंने यूं ही कह दिया कि मेरा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल थोड़ा बढ़ा हुआ है, इसलिए मुझे यह समझना बहुत मुश्किल होता है कि क्या खाना चाहिए और क्या नहीं। उन्होंने तुरंत अपनी दिया कि ज्यादातर लोग न्यूट्रिशन लेबल पढ़ते हैं, ताकि ऐसा खाना चुन सकें, जिसमें एडेड शुगर, सोडियम और सैचुरेटेड फैट कम हो। लेकिन मैंने ऐसा कोई लेबल नहीं पढ़ा, जिस पर 'हाई-इन...' लिखा हो। यानी किसी फूड में कौन-



उंगली सेब और नाशपाती की ओर उठा दी। जब मैंने चेहरे पर सवालिया भाव लेकर देखा तो उन्होंने शांत स्वर में कहा, 'इनमें से आप जो भी चुनेंगे, गलत नहीं होगा।' उन्होंने बताया कि ये दोनों ही फॉल फ्रूट्स हैं। विटामिन-सी और पोटेशियम समेत इनमें समान मात्रा में विटामिन और मिनरल्स होते हैं। इनमें कई प्रोटेक्टिव फाइटोकेमिकल्स भी होते हैं। फाइबर के मामले में नाशपाती बेहतर है। एक बड़ी नाशपाती लेकर वे बोलीं, इससे 7 ग्राम फाइबर मिलता है। सेब से 5 ग्राम या थोड़ा ज्यादा मिलता है, लेकिन यह भी पर्याप्त है। दोनों में पेक्टिन होता है- एक घुलनशील फाइबर, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल घटाने में मददगार है। एक मिनट में यह सारी जानकारी देकर वे किसी दूसरे व्यक्ति के पास चली गईं। मैं तो उनकी टेबल पर जाकर उनका नाम पूछने की हिम्मत भी नहीं सा तत्व अधिक है। बाद में मुझे पता चला कि जनवरी 2026 से कनाडा 'हाई इनष्ठ' सिंबल अनिवार्य कर रहा है, जिससे फूड आइटम्स चुनना आसान हो जाएगा। फिर भी, मेरे जैसे आम आदमी के लिए यह बताना मुश्किल होगा कि किस फूड में सर्वाधिक न्यूट्रिशन है। मैं जानता हूं हमारे हर भोजन के समय कोई न्यूट्रिशनिस्ट मौजूद नहीं होगा, जो दो चीजों की तुलना करके बता सके, जैसे उस महिला ने सेब और नाशपाती की की थी। हालांकि अगर आप थोड़ी मेहनत करें तो दो समान फूड आइटम्स से बेहतर न्यूट्रिशनल वैल्यू चुनने के कुछ तरीके हैं, जो यहां पेश हैं। प्रोटीन कम्पेयर करें : कैलोरी समान हैं तो उस प्रोडक्ट को प्राथमिकता दें, जिसमें प्रति 100 ग्राम ज्यादा प्रोटीन हो। इसके स्रोत और क्वालिटी को भी देखें। फाइबर देखें : साबुत अनाज, ओट्स, मिलेट्स और दालों में फाइबर होता है, जो इंग्रीडिएंट्स पढ़ें : लेबल पर इंग्रीडिएंट्स वजन के घटते क्रम में लिखे जाते हैं। सबसे ऊपर साबुत अनाज, नट्स, सीड्स और दालें होना अच्छा संकेत हैं। टोटल फैट से आगे देखें : नट्स, सीड्स के अनसैचुरेटेड फैट फायदेमंद होते हैं। हायर-फैट कॉन्टेंट का मतलब अपने-आप में अन-हेल्दी नहीं होता। माइक्रोन्यूट्रिएंट्स जांचें : कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, जिंक, विटामिन्स की तुलना करें। ज्यादा इसेंशियल न्यूट्रिएंट्स, मतलब ज्यादा न्यूट्रिशनल वैल्यू। एडेड शुगर पर नजर रखें : दो प्रोडक्ट्स में कुल शुगर समान हो सकती है। लेकिन एक में प्राकृतिक, जबकि दूसरे में एडेड शुगर हो सकती है। सोडियम की तुलना करें : प्रति 100 ग्राम पर सोडियम की मात्रा देखें। पैकेज्ड सूप, सीरियल्स और चटपटे स्नैक्स में सोडियम अधिक हो सकता है। साबुत अनाज को प्राथमिकता दें : मल्टीग्रेन का मतलब अपने-आप में हेल्दी फूड नहीं है। चेक करें कि साबुत गेहूं, ओट्स, रागी या ज्वार वास्तव में प्रमुखता से हैं या नहीं। प्रति कैलोरी न्यूट्रिएंट्स देखें : जांचें कि हर 100 कैलोरी में कितना प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स मिल रहे हैं? समान कैलोरी में ज्यादा न्यूट्रिएंट्स मिलना बेहतर न्यूट्रिएंट डेंसिटी का संकेत है। कई फायदे देने वाला फूड देखें : मसलन, बादाम में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन ई, मैग्नीशियम और हेल्दी फैट होते हैं।

जबकि स्नैक्स में मुख्य रूप से सिर्फ खाली कैलोरीज होती हैं। फंडा यह है कि हमने फूड लेबल पढ़कर अन-हेल्दी इंग्रीडिएंट्स से बचना तो सीख लिया है, लेकिन हमें न्यूट्रिशनल वेल्थ की पहचान करना भी सीखना होगा। अब समय है ऐसे फूड चुनने का, जो हमारे शरीर को न्यूट्रिशन दें। एन. रघुरामन

विकास और क्लाइमेट, दोनों को साधने की चुनौती हमारे सामने

तेजी से गर्म होती दुनिया के दुष्प्रभाव अनेक रूपों में सामने आ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (आईपीसीसी) के एक अनुमान कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 0.4 फीसदी गिरावट की खबरों से पर्यावरणविदों में खासा उत्साह देखा गया है। इसकी प्रमुख वजह तेल से होने वाले को प्राथमिकता देते हुए वैश्विक जलवायु कार्रवाई में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। एक बेहद महत्वपूर्ण वक्तव्य में भारत ने रेखांकित किया कि न्यायसंगत



के मुताबिक, अगर ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित नहीं किया गया तो भविष्य में इसके और गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। वर्तमान में 3.3 से 3.6 अरब लोग ऐसे देशों और क्षेत्रों में रहते हैं, जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से बेहद संवेदनशील हैं। 2010 से 2020 के बीच बाढ़, सूखे और उत्सर्जन में कमी और पश्चिम एशिया संकट के दौरान होर्मुज एनर्जी ट्रांजिशन अब भी एक बड़ी



तूफानों के कारण अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में होने वाली मौतों की संख्या सबसे कम संवेदनशील क्षेत्रों के मुकाबले 15 गुना अधिक थी। वहीं, 2012 से 2021 के दौरान गर्मी से होने वाली मौतों का सालाना औसत 5.5 लाख रहा है। यूनिसेफ के मुताबिक, 33 देशों में करीब एक अरब बच्चे ऐसे हैं, जिन्हें जलवायु संबंधी खतरों का बेहद अधिक जोखिम है। जीवाश्म ईंधनों से होने वाले उत्सर्जन में कटौती का स्पष्ट लक्ष्य तय होने के बावजूद दुनिया इस दिशा में अब तक अनिश्चित प्रगति ही कर पाई है। 2020 से इन उत्सर्जनों में लगातार वृद्धि हुई है और यह बढ़ोतरी औसतन करीब 0.8 फीसदी सालाना रही है। हालांकि, 2026 में वैश्विक जीवाश्म ईंधन से होने वाले रिन्यूएबल एनर्जी कार्यक्रमों को गति दी है। रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ता यह बदलाव यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, चीन और भारत में दिख रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में, सीओपी31 तुर्किये के अंताल्या में आयोजित की जा रही है। सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर भारत ने जलवायु संबंधी बहुपक्षीय सहयोग और समानता वेज सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। साथ ही उसने निष्पक्ष, न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी नतीजे हासिल करने का आह्वान किया। भारत ने दोहराया कि दुनिया के सामने तापमान वृद्धि के 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा पार करने का बढ़ता खतरा है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने लोगों के विकास और कल्याण एनर्जी है। खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए, जहां यह चुनौती विकास की बुनियादी जरूरतों से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत जैसे देश की विकास संबंधी प्राथमिकताएं स्वाभाविक रूप से उसके अपने लक्ष्यों के अनुरूप अलग होंगी। इसी वजह से भारत ने नेट-जीरो हासिल करने के लिए 2070 का लक्ष्य तय किया है, जबकि वैश्विक लक्ष्य 2050 का है। ईडीजीएआर रिपोर्ट 2025 में विश्लेषित आंकड़ों के मुताबिक, ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन लगातार बढ़ रहा है और इसके लिए मुख्य रूप से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं जिम्मेदार हैं। सबसे अधिक उत्सर्जन करने वाले छह देश और क्षेत्र- चीन, अमेरिका, भारत, ईयू, रूस और इंडोनेशिया मिलकर वैश्विक आबादी में 51.4 फीसदी, वैश्विक जीडीपी में 62.5 फीसदी, जीवाश्म ईंधनों की कुल खपत में 64.2 फीसदी और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 61.8 फीसदी योगदान देते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक अन्य रिपोर्ट बताती है कि प्रति व्यक्ति जीवाश्म ईंधन से होने वाला वैश्विक उत्सर्जन- जो 2010 के शुरुआती वर्षों में अपने चरम पर पहुंच गया था- उसके बाद से थोड़ा घटा है। 2026 में यह प्रति व्यक्ति लगभग 4.6 टन रहा, जो उस उच्चतम स्तर से करीब 4 फीसदी कम है।

दिलचस्प बात यह है कि जब प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की तुलना देशों के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से की जाती है तो एक अलग ही तस्वीर सामने आती है। उदाहरण के लिए, 2025 में भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2 से 3 टन था, जबकि अमेरिका में यह 14.5 टन और वैश्विक औसत 4.6 टन था। (ये लेखक वेज अपने विचार हैं,मोहम्मद जमशेद)

नेता से बढ़कर एक स्त्री की आपबीती सुनाई है सोनिया ने

समकालीन राजनीति में शायद ही किसी नेता की इतनी आलोचना की गई है, जितनी सोनिया गांधी की हुई है। 1998 में सार्वजनिक जीवन में कदम रखने के बाद से ही वे निशाने



पर रही हैं। ज्यादातर आलोचना उनकी राजनीति के बजाय उनके जन्मस्थान से जुड़ी रही है। उन्हें बारम्बार याद दिलाया गया कि जन्म से वे इतालवी हैं और यह हकीकत उन्हें भारतीय पहचान का दावा करने से हमेशा के लिए वंचित करती है। यही वजह है कि उनकी आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' एक महत्वपूर्ण पड़ाव पेश करती है। बहुत कम राजनेता अपनी जिंदगी की कहानी खुद बयां करने में सहज होते हैं, खासकर तब, जब उसमें परिवार, सत्ता, सियासत के जटिल पहलू शामिल हों। दशकों बाद सोनिया का खुलकर सामने आना बताता है कि अब वे चुप्पी तोड़कर अपना पक्ष दुनिया के सामने रखना चाहती हैं। सच कहें तो यह असाधारण कहानी है। इटली के छोटे-से कस्बे की लड़की आगे चलकर कांग्रेस की सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने वाली नेता और एक दशक तक देश की सबसे प्रभावशाली शख्सियत बनती है। यह यात्रा कल्पना के परे लगती है। कैम्ब्रिज के ग्रीक रेस्तरां में राजीव गांधी से उनकी पहली मुलाकात में हिंदी सिनेमाई रोमांस के सभी तत्व मौजूद हैं- पहली नजर का प्यार। एक युवा भारतीय स्टूडेंट और 19 साल की इतालवी लड़की, जिसने शायद ही सोचा होगा कि यह मुलाकात उसे कहां ले जाएगी। फिर भी इस कहानी को दोबारा सुनना जरूरी है। अपने फैसले के लिए माता-पिता को मनाने की मुश्किल, ताकतवर व्यक्तित्व वाली सास इंदिरा गांधी से पहली मुलाकात और दिल्ली के सरकारी बंगले में नई-नवेली दुल्हन के रूप में जिंदगी से तालमेल बैठाना। इस जिंदगी में विशेषाधिकार थे, तो साथ में ताक-झांक करने वाली निगाहें भी थीं। किताब में ऐसे बेहद निजी खुलासे भी हैं, जिनकी जानकारी पहले बहुत कम थी।

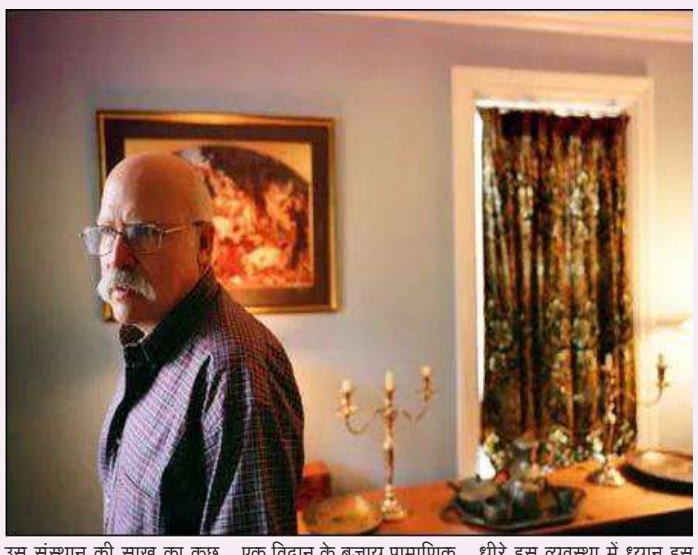
मसलन, मुझे नहीं पता था कि 1968-69 में सोनिया ने अपने पहले नवजात बच्चे को खो दिया था। वे बताती हैं कि कैसे उन्होंने इस बात के लिए संघर्ष किया कि नवजात के शव का अंतिम संस्कार उस वक्त की प्रचलित परंपराओं के बजाय दफनाकर किया जाए। यह हृदयविदारक प्रसंग यह खुलासा भी करता है कि एक युवा मां अपने दुःख के साथ ही एक ऐसे देश वेज अपरिचित रिवाजों से भी जूझ रही थी, जो तब उसके लिए बिल्कुल नया था। ओरबासानो से लुटियंस दिल्ली तक का यह सफर ही आत्मकथा को दिलचस्प बनाता है- भारतीय खानपान को सीखना, साड़ी पहनना, घर में खुशनुमा पहलू था राजीव और परिवार के प्रति उनका गहरा लगाव और इसी के जरिए भारत से उनका जुड़ाव। इंदिरा और राजीव की हत्याओं के बाद की कहानी आत्मकथा का सबसे मार्मिक हिस्सा है। 1984 में इंदिरा और इसके 7 साल बाद राजीव की भी हत्या कर दी गई। सोनिया की बहन ने उन्हें यह चेतावनी देते हुए इटली लौट आने की सलाह दी थी कि अगला निशाना वे भी हो सकती हैं। यह आशंका निराधार नहीं थी। सोनिया लिखती हैं कि वे कभी इतनी हिम्मत नहीं जुटा पाईं कि राजीव के क्षत-विक्षत शरीर की तस्वीरें देख सकें। पर उन्होंने भारत में ही रहने का फैसला किया। उनके मुताबिक, अब उनका भावनात्मक रिश्ता अपने जन्म के देश से ही नहीं रह गया था, बल्कि उस धरती से भी जुड़ चुका था, जो उनके और उनके बच्चों का घर बन गई थी। और शायद यही वह केंद्रीय भाव है, जो पूरी आत्मकथा को एक साथ पिरोता है : अपनापन हमेशा विरासत में नहीं मिलता, कोई व्यक्ति इसे प्रेम, दुःख, निष्ठा और जीवन के फैसलों से भी पा सकता है। सोनिया स्वीकारती हैं कि उन्हें राजनीति से खासा लगाव नहीं था। उनवेज बच्चे भी राजनीति में उतरने के फैसले के खिलाफ थे। लेकिन वे इस कदम को कर्तव्यबोध से प्रेरित बताती हैं। वे याद करती हैं कि सार्वजनिक जीवन में कदम रखने से पहले कैसे उन्होंने भगवद्गीता को पढ़ा और समझा था। उन्हीं के शब्दों में, राजनीति उनके लिए ऐसा मुकाम नहीं थी, जिसकी तैयारी उन्होंने जीवनभर से की हो, बल्कि यह ऐसी जिम्मेदारी थी, जिससे वे खुद को अलग नहीं रख सकीं।

बेशक, आलोचक कहेंगे कि यह किताब वंशवाद के आरोप को और पुख्ता ही करती है। वहीं उनके समर्थक निजी महत्वाकांक्षा से ज्यादा कर्तव्यबोध का हवाला देंगे।

इन दोनों ही नजरियों की पड़ताल होनी चाहिए। आखिर, आत्मकथा में लेखक अपनी यह छवि गढ़ने की कोशिश भी तो करते हैं कि इतिहास उन्हें किस रूप में याद रखेगा। 'बिलॉन्गिंग' स्वीकार्यता पाने के लिए एक महिला की जीवनपर्यन्त चली तलाश की कहानी है। वे चाहती हैं कि उन्हें इटली में जन्मी बाहरी महिला वेज बजाय एक ऐसी भारतीय बहू के रूप में पहचाना जाए, जिन्होंने इस देश को अपना घर बनाया। (ये लेखक वेज अपने विचार हैं,राजदीप सरदेसाई)

यदि एआई के समाधान गलत निकले तो सवाल किससे करेंगे

अब जब एआई खुद ही हाइपोथीसिस लिख रहा है, प्रयोगों को डिजाइन कर रहा है और उनके नतीजे भी लिख दे रहा है तो वैज्ञानिकों को भी इसके अनुरूप खुद को ढालना होगा। ज्ञान की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है कि उसके स्रोत भरोसेमंद हों और वह जनता के प्रति जवाबदेह भी हो। लेकिन मौजूदा एआई क्षमताओं को देखते हुए क्या अब यह भी मायने नहीं रखने वाला है कि शोध कौन कर रहा है? इस सवाल का सहज जवाब यही होगा कि तथ्य तो तथ्य है, इससे क्या फर्क पड़ता है कि इसे किसने खोजा। लेकिन ज्ञान का प्रसार इस तरह नहीं होता। हमें ज्यादातर वैज्ञानिक दावे ऐसे मिलते हैं, जिनको जांचने के तरीके हमारे पास नहीं होते। इसलिए हम दावे के बजाय उसके पीछे मौजूद व्यक्ति या संस्था की विश्वसनीयता को परखते हैं। हार्वर्ड के प्रोफेसर स्टीवन शेपिन कहते हैं कि वैज्ञानिक सत्य की स्थापना हमेशा से ही अपने साथी वैज्ञानिकों को उस पर भरोसा दिलाने की सामाजिक प्रक्रिया से जुड़ी रही है। विज्ञान में प्रतिष्ठा केवल विचारों से नहीं बनती, बल्कि संस्थानों, विभागों और प्रयोगशालाओं में निहित रहती है। इन संस्थानों की साख वहां से निकलने वाले शोधों को भी विश्वसनीयता देती है। किसी प्रतिष्ठित संस्थान को छोड़कर जाने वाला वैज्ञानिक अपने साथ



उस संस्थान की साख का कुछ हिस्सा भी ले जाता है। अनुकूल परिस्थितियों में वह नए संस्थान को भी एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में स्थापित कर सकता है। विश्वसनीयता को हमेशा किसी न किसी ऐसे माध्यम की जरूरत रही है, जिसके जरिए वह लोगों तक पहुंचे। समय के साथ यह माध्यम बदलता रहा है और अकसर इसका विरोध भी हुआ है। विश्वसनीयता के लिए किसी एक विद्वान के बजाय प्रामाणिक संस्थानों, पीयर रिव्यू और शोध मूल्यांकन को महत्व मिलने लगा, तब भी आलोचकों ने आपत्ति जताई थी। अब जब यह स्वामित्व इंसानों से मशीनों के पास जाने की स्थिति बन रही है तो इस पर श्रेय, मौलिकता और योग्यता के संदर्भ में आपत्तियां तो जताई ही जाएंगी।अब शोध को संचालित करने वाली व्यवस्था में भी बदलाव आया है। धीरे-धीरे इस व्यवस्था में ध्यान इस बात से हटता गया है कि किसी शोध के नतीजे को कितना समझा गया है और इस पर केंद्रित होता गया है कि वह कितना उपयोगी है। मशीनों से तैयार शोध के नतीजे पहले से ऐसी व्यवस्था के अनुकूल हैं, जो समझ के बजाय नतीजों को अधिक महत्व देती है। विडम्बना यह है कि पिछले दो दशकों में डेटा को खुला, खोजे जाने योग्य और मशीन द्वारा पढ़े जाने योग्य बनाने के जो प्रयास किए गए थे,

उनका उद्देश्य इंसानी शोधकर्ताओं के बीच सहयोग को आसान बनाना था। लेकिन इन्हीं प्रयासों ने वह आधार भी तैयार कर दिया, जिस पर अब ऑटोनॉमस रिसर्च काम कर रही हैं।

पिछले साल अमेरिका के स्टार्टअप इंटोलॉजी द्वारा विकसित एआई सिस्टम 'जोची' द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र ने एसोसिएशन फॉर कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स की वार्षिक बैठक में पीयर रिव्यू की प्रक्रिया पार कर ली।

इसी तरह, सैन फ्रांसिस्को की संस्था 'फ्यूचरहाउस' के एआई सिस्टम 'रॉबिन' ने हाइपोथीसिस तैयार की, प्रयोगों को डिजाइन किया और नतीजों का विश्लेषण किया। उसने पहले ही मंजूर हो चुकी एक ऐसी दवा की पहचान की, जो अंधेपन के एक प्रमुख कारण के इलाज में उपयोगी हो सकती है। ऑनलाइन प्रकाशित होने वाली सामग्री में पहले ही आधे लेख एआई से तैयार हो रहे हैं। अब तो डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट तक यह नहीं बता पा रहे हैं कि इनमें से असली कौन-से हैं। ऐसे में क्या अब भी मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों को महत्व देने वाले लोग इस शोर-शराबे में अपनी बात दूसरों को सुना पाएंगे?

मान लीजिए कि कोई एआई सिस्टम नई वैक्सीन विकसित कर देता है। आम जनता को शायद इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि यह काम किसने किया। ठीक वैसे ही, जैसे मरीज यह नहीं पूछते कि उनके खून की जांच किस तकनीशियन ने की है।

लेकिन अगर कुछ गलत हो जाता है तो वे यह जरूर जानना चाहेंगे कि इसके लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए?

व्यक्ति से सवाल पूछे जा सकते हैं, गलती सुधरवाई जा सकती है, उसे अपने दावे वापस लेने के लिए कहा जा सकता है, लेकिन सवाल है कि क्या किसी एआई मॉडल के साथ भी ऐसा किया जा सकेगा?

मान लीजिए एआई कोई नई वैक्सीन विकसित कर देता है। लोगों को इससे फर्क नहीं पड़ेगा कि यह काम किसने किया, जैसे मरीज यह नहीं पूछते कि उनके खून की जांच किस तकनीशियन ने की।

लेकिन अगर कुछ गलत हो जाता है तो जवाबदेह कौन होगा?
डॉ. सामी महरुम

लंदन में बांग्लादेशी नेता नाहिद इस्लाम के कार्यक्रम में झड़प,हसीना समर्थकों ने अंडे और पानी की बोतलें फेंके,हुआ लाठीचार्ज

लंदन।जब प्रदर्शनकारी मुख्य दरवाजे पर जमा हुए तो वे पीछे के रास्ते से बाहर निकल



गए। नाहिद ने मंगलवार को फेसबुक पर बयान जारी कर अवामी लीग के कार्यकर्ताओं पर हमला करने का आरोप लगाया।उन्होंने कहा कि पार्टी के फरार और कट्टरपंथी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में आए बांग्लादेशी प्रवासियों और विश्वविद्यालय के छात्रों को निशाना बनाया। नाहिद इस्लाम 2024 में बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के खिलाफ हुए छात्र आंदोलन के प्रमुख नेता रहे हैं। उस समय वे ढाका यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र की पढ़ाई कर रहे थे। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन बाद में हसीना सरकार को हटाने की मांग में बदल गया। 3 अगस्त 2024 को नाहिद ने हसीना से इस्तीफा मांगा था। इसके दो दिन बाद, 5 अगस्त को हसीना को सत्ता छोड़कर भारत आना पड़ा। हसीना सरकार गिरने के बाद नाहिद अंतरिम सरकार में सूचना सलाहकार बने। फरवरी 2025 में उन्होंने पद छोड़कर दूसरे छात्र नेताओं के साथ नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) बनाई।

लंदन में यह झड़प ऐसे समय हुई है, जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिसंबर तक देश लौटने की बात कही है। उनकी संभावित वापसी को लेकर समर्थकों और विरोधियों के बीच तनाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को हसीना के जन्मस्थान वाले जिले गोपालगंज में अवामी लीग के सैकड़ों कथित समर्थक लाठी और धारदार हथियार लेकर जमा हुए। इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने बीएनपी से जुड़े कई ठिकानों और पार्टी कार्यालयों में आग भी लगा दी। 79 साल की शेख हसीना जुलाई से कई बार कह चुकी हैं कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उन्होंने कहा है कि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में हसीना को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मामले में दोषी ठहराया था। कोर्ट ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने इन आरोपों और मुकदमे को मानने से इनकार किया है।

देश में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी,अमेरिकी एफ-35 से भी आधुनिक होगा- पहली उड़ान 2030 तक संभव

नयी दिल्ली। भारत में छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने की तैयारी चल रही है। इसकी पहली उड़ान 2030 तक संभव है। डिफेंस कंपनी रेफी एमफाइबर



इसे तैयार कर रही है। कंपनी के अध्यक्ष विकास मिश्रा ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी समिट में वायुसेना के अधिकारियों की मौजूदगी में भारत को छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान देने का ऐलान किया। कंपनी के एक सूत्र के मुताबिक, यह विमान छठी पीढ़ी के सभी मानकों पर खरा उतरता है। कई मामलों में इसके पैरामीटर्स अमेरिका के एफ-35 लड़ाकू विमान से भी आगे हैं। दरअसल, फाइटर जेट को उनकी तकनीक और लड़ने की क्षमता के आधार पर अलग-अलग पीढ़ियों में बांटा जाता है। अभी भारत पांचवीं पीढ़ी का स्वदेशी स्टेल्थ फाइटर जेट एएमसीए बना रहा है। ऐसे में एक प्राइवेट कंपनी का छठी पीढ़ी का फाइटर जेट बनाने का दावा चर्चा में है। इस फाइटर जेट को बनाते समय वायुसेना की जरूरतों का भी ध्यान रखा जा रहा है। कंपनी के अनुसार उसके साथ 12 देशों के विमान इंजीनियर जुड़े हैं। दावा है कि कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में 7 लाख वर्ग फुट में अपनी फेसिलिटी भी तैयार की है। हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों की मौजूदगी और पाकिस्तान की बढ़ती क्षमता के बीच भारत समुद्री निगरानी मजबूत कर रहा है। डीआरडीओ ने 'वरुण ध्वनि-01' बनाया है, जो समुद्र के भीतर की आवाजें दर्ज कर संकेत जीसैट उपग्रह से रक्षा प्रयोगशाला भेजेगा। कोच्चि की नौसेना प्रयोगशाला ने इसे बनाया है। इसे दक्षिण-पूर्वी अरब सागर में तैनात किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय पांचवीं पीढ़ी के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के विकास के लिए 3 औद्योगिक गठबंधनों में से एक का चयन इसी महीने करेगा। इनमें एलएंडटी, भारत फोर्ज और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड के गठबंधन शामिल हैं। चुना गया गठबंधन एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के साथ मिलकर परियोजना पर काम करेगा। उसने दुनिया में सर्वाधिक पेटेंट दायर किए हैं। एयरक्राफ्ट डिजाइन और निर्माण के लिए 10 करोड़ डॉलर का फंड जुटाया है। ड्रोन में विशेषज्ञता के साथ

चक्रवात अकवान दो दिन में आंध्र प्रदेश पहुंचेगा,145किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी

नयी दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान आज शाम तक गंभीर तूफान में बदल सकता है। इसके 19 नवंबर की रात आंध्र प्रदेश तट से टकराने के आसार हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान 120 से 130किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी जो 145किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं। आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तमिलनाडु में 21 नवंबर तक तेज बारिश का अलर्ट है। चक्रवाती तूफान अर्नब और मुरासु के बाद अकवान तीन सप्ताह में आंध्र प्रदेश को प्रभावित करने वाला तीसरा तूफान होगा। पिछले दो तूफानों से करीब 7 हजार करोड़ रुपए की फसल बर्बाद हुई है। इधर, पहाड़ों पर बर्फबारी-बारिश के कारण सर्दी बढ़ी है। कई राज्यों में रात का पारा 10डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

पीएम मोदी आसियान डिनर में हुए शामिल, ट्रुक-ट्रुक की सवारी की अब होगी ट्रम्प से मुलाक़ात

नयी दिल्ली। समिट में समुद्र की सुरक्षा, व्यापार, जलवायु परिवर्तन और एशियाई देशों के बीच सहयोग बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। आसियान



दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों का संगठन है। इसकी शुरुआत 8 अगस्त 1967 को हुई थी। उस समय इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड ने मिलकर इसे बनाया था। उस दौर में इस इलाके के कई देशों के बीच तनाव था। ऐसे में इन देशों ने मिलकर तय किया कि आपसी विवाद बातचीत से सुलझाएंगे और एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। इसी सोच के साथ आसियान की शुरुआत हुई थी। दुनिया के व्यापार की लाइफलाइन है दक्षिण-पूर्व एशियाः- दुनिया के कई बड़े देशों तक तेल और जरूरी सामान दक्षिण-पूर्व एशिया के समुद्री रास्तों से पहुंचता है। यह इलाका हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच है। यहां का मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। मध्य-पूर्व से चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जाने वाला तेल भी इसी रास्ते से गुजरता है। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर से हर साल अरबों डॉलर का सामान दूसरे देशों तक पहुंचता है। इस रास्ते पर तनाव बढ़ने या जहाजों की आवाजाही रुकने से कई देशों में तेल और सामान की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। इसका असर आम लोगों की जेब पर भी पड़ सकता है। यही वजह है कि भारत, चीन, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश इस इलाके पर नजर रखते हैं और यहां शांति बनाए रखना चाहते हैं। भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का बड़ा साझेदार है आसियानः-भारत के लिए आसियान दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ व्यापार और सुरक्षा बढ़ाने का बड़ा जरिया है। भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' का मकसद भी इन देशों के साथ रिश्ते मजबूत करना है। भारत चाहता है कि इन देशों के साथ व्यापार बढ़े, सड़क और समुद्री रास्ते बेहतर हों और सुरक्षा के मुद्दों पर मिलकर काम किया जाए। हिंद-प्रशांत इलाके में शांति बनाए रखना भी भारत की प्राथमिकता है। भारत और आसियान ने 2026 को समुद्री सहयोग वर्ष के रूप में मनाने का फैसला किया है। साल 2027 में दोनों के बीच बातचीत शुरू होने के 35 साल और मजबूत रणनीतिक साझेदारी के 5 साल पूरे होंगे। ईस्ट एशिया समिट में 19 देशों के नेता होंगे शामिलः- 17 नवंबर को होने वाली भारत-आसियान समिट में भारत और आसियान के 11 सदस्य देश शामिल होंगे। इसमें दोनों पक्ष अपने रिश्तों की समीक्षा करेंगे।साथ ही 2026 से 2030 तक के लिए बने प्लान पर चर्चा करेंगे। इसमें व्यापार, सुरक्षा और दूसरे क्षेत्रों में साथ काम करने की योजनाएं शामिल हैं। इसी दिन ईस्ट एशिया समिट भी होगी। इसमें आसियान के 11 देशों के अलावा भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल होंगे। यानी इस बैठक में कुल 19 देश हिस्सा लेंगे। इसमें एशिया और दुनिया से जुड़े बड़े मुद्दों पर बात होगी। आसियान ने तुर्किये को 12वां डायलॉग पार्टनर बनायाः- आसियान ने तुर्किये को अपना 12वां डायलॉग पार्टनर बनाया है।

अब तुर्किये इस संगठन के साथ नियमित बातचीत कर सकेगा और अलग-अलग मुद्दों पर मिलकर काम कर सकेगा। वहीं, डेनमार्क, जर्मनी और कतर को कुछ खास क्षेत्रों में सहयोग के लिए पार्टनर बनाया गया है। समिट में डिजिटल कारोबार से जुड़ा समझौता 2026 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे सदस्य देशों के बीच ऑनलाइन कारोबार और डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में फिलीपींस ने इलेक्ट्रिक ट्राइसाइकिल के साथ अपने खानपान और संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई है।

ब्रिटिश प्रिंस विलियम ने मुंबई में इलेक्ट्रिक ऑटो चलाया,पत्नी केट पीछे बैठीं, दोनों अर्थशॉट प्राइज कार्यक्रम में पहुंचे थे

मुंबई। ब्रिटेन के प्रिंस विलियम भारत दौरे के दूसरा दिन मंगलवार को मुंबई में टुक-टुक चलाते नजर आए। इस दौरान उनकी पत्नी प्रिंसेस केट भी पीछे बैठी थीं। दोनों अर्थशॉट प्राइज



के कार्यक्रम में पहुंचे। टुक-टुक पर अर्थशॉट का लोगो लगा हुआ था। केट ने इस अंदाज में कार्यक्रम में पहुंचने पर कहा, 'यहां आने का यह सबसे अच्छा तरीका है।' दोनों ने मुंबई में 2026 के अर्थशॉट प्राइज के फाइनलिस्ट से मुलाकात की। प्रिंस विलियम और केट आज मुंबई में ई-रिक्शा की सवारी भी करेंगे। प्रिंस विलियम ने करीब 6 साल पहले अर्थशॉट प्राइज की शुरुआत की थी। इसका मकसद पर्यावरण की समस्याओं के समाधान के नए तरीके खोजने वाले लोगों और संस्थाओं को बढ़ावा देना है। हर साल 5 विजेताओं को चुना जाता है। हर विजेता को 10 लाख पाउंड यानी करीब 11 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। केंसिंग्टन पैलेस के मुताबिक, यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। इसके लिए भारत के 24 राज्यों के 15 हजार स्कूलों तक कार्यक्रम पहुंचाया गया है। समारोह से पहले प्रिंस विलियम पुरस्कार के फाइनलिस्ट से मुलाकात करेंगे। इस साल भारत की महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी भी फाइनलिस्ट में शामिल है। यह कंपनी इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बनाती है। इस बार पहली बार बच्चों के लिए चिल्ड्रन्स अर्थशॉट अवॉर्ड समारोह भी होगा। इसमें 9 से 17 साल के बच्चों के पर्यावरण बचाने से जुड़े विचारों और कामों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए बच्चों को अपने आसपास की पर्यावरण संबंधी समस्याओं के समाधान तैयार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। अर्थशॉट प्राइज की अवॉर्ड नाइट में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता रामी मालेक शामिल होंगे। फिल्ममेकर करण जौहर कार्यक्रम को होस्ट करेंगे। गायिका श्रेया घोषाल ब्रिटिश बैंड टेक दैट के साथ प्रस्तुति देंगी। यह बैंड पहली बार भारत में परफॉर्म करेगा। मुंबई की संगीतकार मर्लिन डी'सूजा के नेतृत्व में अर्थशॉट ऑर्केस्ट्रा भी प्रस्तुति देगा। इसके अलावा भारत का पहला ऑल-फीमेल हिप-हॉप ग्रुप वाइल्ड वाइल्ड वुमन भी परफॉर्म करेगा। अर्थशॉट प्राइज के मुताबिक, अब तक भारत से सबसे ज्यादा विजेता और फाइनलिस्ट चुने गए हैं। यह पुरस्कार जलवायु परिवर्तन, कचरे, वायु प्रदूषण, समुद्रों के संरक्षण और पेड़-पौधों व जीव-जंतुओं को बचाने से जुड़े समाधानों के लिए दिया जाता है। अर्थशॉट प्राइज के सीईओ जेसन नॉफ ने कहा कि मुंबई में होने वाला समारोह भारत के पर्यावरण से जुड़े काम, नई सोच और संस्कृति को दुनिया के सामने लाने का बड़ा मौका है। उनके मुताबिक, इस बार पुरस्कार समारोह में अब तक का सबसे बड़ा स्कूल कार्यक्रम और कई खास प्रस्तुतियां होंगी। मुंबई का दौरा पूरा करने के बाद प्रिंस विलियम और केट 18 नवंबर को दिल्ली जाएंगे। यहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके साथ ही उनका भारत दौरा खत्म हो जाएगा। ब्रिटेन के कार्यवाहक हाई कमिश्नर ने कहा कि यह दौरा दोनों देशों के लोगों के बीच पुराने रिश्तों को मजबूत करने का मौका है। भारत और ब्रिटेन टेक्नोलॉजी, निवेश, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहे हैं।

केजरीवाल को अवमानना केस में हाईकोर्ट की फटकार,कहा- 3 हफ्ते में जवाब नहीं दिया तो फिर मौका नहीं मिलेगा

नयी दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और पार्टी के अन्य नेताओं को फटकार लगाई है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा अवमानना केस में 'आप' नेताओं ने कोर्ट में अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस अरुण भारद्वाज की डिवीजन बेंच ने जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का आखिरी मौका दिया। कोर्ट ने कहा कि जवाब नहीं देने पर उनका जवाब दाखिल करने का अधिकार खत्म कर दिया जाएगा। 'आप' नेताओं ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा पर आरोप लगाते हुए उन्हें दिल्ली आबकारी केस से हटाने की मांग की थी। कोर्ट ने इसी साल 14 मई को सोशल मीडिया पोस्ट और अखबारों की खबर के आधार पर मामला खुद शुरू किया था। अरविंद केजरीवाल ने 13 अप्रैल को दिल्ली शराब घोटाले केस की सुनवाई के दौरान कहा



था- जस्टिस शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रम में 4 बार शामिल हो चुकी हैं। मुझे पहले से ही दोषी माना जा रहा है। जस्टिस शर्मा के आदेशों में एक पैटर्न दिखता है, जिसमें ईडी और सीबीआई के हर तर्क को स्वीकार किया जाता है। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में केजरीवाल और 22 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया था। इस आदेश को सीबीआई ने चुनौती दी, जिसकी सुनवाई वर्तमान में जस्टिस शर्मा कर रही हैं। 9 मार्च को जस्टिस शर्मा ने नोटिस जारी किया और उस आदेश के उस हिस्से पर रोक लगा दी, जिसमें जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी। उन्होंने प्रारंभिक तौर पर यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट की कुछ टिप्पणियां गलत थीं और ट्रायल कोर्ट को पीएमएलए (मनी लॉन्ड्रिंग) की कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश दिया। इसके बाद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, विजय नायर, अरुण पिल्लई और चनप्रीत सिंह रायट ने जस्टिस शर्मा को हटाने की अर्जी दाखिल की। 27 फरवरी को ट्रायल कोर्ट के बाहर बयान देते समय केजरीवाल रोने लगे। मनीष सिसोदिया ने उन्हें ढाढस बंधाया था। ट्रायल कोर्ट ने 27 फरवरी को इस मामले में केजरीवाल सहित सभी 23 आरोपियों को राहत दी थी। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई की जांच की कड़ी आलोचना भी की थी। ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने सुनवाई की थी। उन्होंने 9 मार्च को कहा था प्राइमा फेसी (पहली नजर में) ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियां गलत लगती हैं और उन पर विचार जरूरी है। साथ ही, जस्टिस शर्मा की कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने की सिफारिश पर भी रोक लगा दी थी। दिल्ली सरकार ने 2021 में राजस्व बढ़ाने और शराब व्यापार में सुधार के लिए आबकारी नीति बनाई थी, जिसे बाद में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया गया। इसके बाद उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि इस नीति के जरिए निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाया गया और इसमें भ्रष्टाचार हुआ। इस मामले में केजरीवाल को 2024 लोकसभा चुनाव के दौरान गिरफ्तार कर हिरासत में भेजा गया था। उन्हें 156 दिन की हिरासत के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली। वहीं सिसोदिया इस मामले में 530 दिन तक जेल में रहे।

दावा- अमेरिका पर हमला कर सकता है ईरान,केमिकल हथियार के इस्तेमाल की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प के अधिकारियों की सुरक्षा बढ़ाईः-



ईरान की ओर से हमले के खतरे के बीच अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट को सैन्य आवास में शिफ्ट कर दिया है। उन्हें पिछले हफ्ते वहां भेजा गया था।अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ईरान पहले भी ट्रम्प प्रशासन के मौजूदा और पूर्व अधिकारियों को निशाना बनाने की कोशिश कर चुका है। साल 2024 में ट्रम्प की हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश भी सामने आई थी। हालांकि पहले ऐसी साजिशों में ज्यादातर अमेरिकी अधिकारियों को विदेश यात्रा के दौरान निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। अमेरिकी सैनिकों पर केमिकल हमले का भी खतराः-अमेरिकी खुफिया एजेंसियां एक दूसरी जानकारी पर भी नजर रख रही हैं। इसके मुताबिक ईरान मिडिल ईस्ट में तैनात अमेरिकी सैनिकों पर केमिकल हथियारों से हमला कर सकता है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों के पास ऐसे हमले से बचने के लिए पर्याप्त सुरक्षा उपकरण और ट्रेनिंग नहीं है। इस खतरे को देखते हुए अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में तैनात अपने राजनयिकों और खुफिया अधिकारियों की सुरक्षा की तैयारी भी शुरू कर दी है। उन्हें जरूरी सुरक्षा उपकरण और ट्रेनिंग देने की योजना बनाई जा रही है। जंग खत्म करने की बातचीत के बीच तनाव बढ़ाः-अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने को लेकर बातचीत चल रही है। लेकिन होर्मुज स्ट्रेट खोलने, अमेरिकी नाकेबंदी हटाने और लड़ाई रोकने पर अब तक कोई सहमति नहीं बन पाई है। ट्रम्प ने पिछले हफ्ते कहा था कि जंग जल्द खत्म हो जाएगी। एक सूत्र के मुताबिक अगले कुछ हफ्ते दोनों देशों के बीच समझौते के लिहाज से बेहद अहम होंगे। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि ईरान जानता है कि अगर उसने अमेरिका या मिडिल ईस्ट में डर्टी बम या केमिकल हथियार का इस्तेमाल किया तो उसे जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

सॉफ्टवेयर बग ने अमेरिकी कामों को रोका,बैंकों का कामकाज,ट्रांजेक्शन स्लो, लोगों का पैसा अटका

माइक्रोसॉफ्ट, फ्लाइट के बाद बैंक, 5 दिन में तीसरी बार अमेरिका ठप

वॉशिंगटन डीसी।वेल्स फार्गो, कैपिटल वन, ट्रूइस्ट और जेले के भी सैकड़ों यूजर्स ने दोपहर के समय सर्विस बाधित होने की



शिकायत की। सवाल 7. इससे पहले भी हाल के दिनों में अमेरिका में ऐसी बड़ी तकनीकी खराबी देखी गई है? जवाबः हां, बैंकिंग आउटेज से ठीक कुछ दिन पहले अमेरिका की अर्थव्यवस्था के अन्य हिस्सों में भी बड़ी तकनीकी समस्याएं आई थीं। पिछले गुरुवार को माइक्रोसॉफ्ट में एक बड़ा आउटेज हुआ था, जिससे आउटलुक , टीम्स और एआई असिस्टेंट कोपायलट जैसी सेवाएं ठप हो गई थीं। पिछले शुक्रवार को अमेरिका के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में आई खराबी के कारण देश भर की सभी उड़ानों को कई घंटों के लिए रोकना पड़ा था, जिससे वीकेंड के दौरान हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। इसके अलावा, सोमवार को ही यूनाइटेड एयरलाइंस ने भी बताया कि उन्होंने अपने आंतरिक सिस्टम में आई एक खराबी को ठीक कर लिया है, जिसके कारण उनकी कई उड़ानों के प्रस्थान में देरी हुई थी। सवाल 8. इस तरह की तकनीकी खराबी से आम ग्राहकों को क्या नुकसान होता है? जवाबः जब किसी बड़े बैंक के सर्वर या सॉफ्टवेयर में बग आता है, तो ग्राहकों के रोजमर्रा के पेमेंट अटक जाते हैं। बिल पेमेंट, सैलरी ट्रांसफर और इमरजेंसी में पैसे भेजने जैसे जरूरी काम रुक जाते हैं। खासतौर पर जब एक बड़ा बैंक दूसरे बैंकों के साथ इंटर-बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़ा होता है, तो दूसरे बैंकों के ग्राहकों के फंड भी अस्थायी रूप से फंस जाते हैं, जिससे लोगों को परेशानी होती है।

अकेले जेपीमॉर्गन चेस के 8.6 करोड़ से ज्यादा कस्टमरः-चेस अमेरिका के 8.6 करोड़ से ज्यादा कस्टमर्स को सर्विस देता है। इसकी 5000 ब्रांच हैं और अमेरिका के कुल डिपॉजिट का 10इ से ज्यादा हिस्सा उसके पास है। इसलिए सिर्फ 5,000 शिकायतों से असल असर का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। सोशल मीडिया पर लोगों ने लिखा कि उन्हें ब्रांच में भी चेक कैश कराने, एटीएम कार्ड चलाने और ट्रांजेक्शन पूरा करने में दिक्कत हो रही है।

अमेरिका ने एआई टेक्नोलॉजी तक पहुंच रोकने के नियम बदले,चीन अब न चिप खरीद सकेगा न किराए पर ले सकेगा

वॉशिंगटन।चीन ने इसे निराधार बताया है। जेन्सन हुआंग ने माना कि उनका एलिस हुआंग से अफेयर



था। आरोप है कि इसी रिश्ते के जरिए 7 अरब डॉलर से ज्यादा के एनवीडिया चिप्स चीन पहुंचे। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1.5 जीडब्लू क्षमता के प्रतिबंधित चिप्स चीन पहुंचे, यानी करीब 15 लाख जीपीयू। सिंगापुर पुलिस ने एलिस हुआंग से पूछताछ की, पासपोर्ट जब्त किया। बाद में कहा - अपराध का पर्याप्त सबूत नहीं मिला, लेकिन उन्होंने मेगास्पीड में अपनी भूमिका को लेकर गलत जानकारी दी थी। सिंगापुर ने गुरुवार को एलिस हुआंग को देश में एंट्री देने से इनकार कर दिया। जेन्सन हुआंग ने 12 नवंबर, गुरुवार को इस्तीफा दिया। सीएफओ कोलेट क्रेस अंतरिम सीईओ बनीं। तीसरा हिस्साः ट्रम्प सरकार में अंदरूनी कलह, और फिर नियमः-यह सबसे अहम कनेक्शन है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा था- 'ट्रेजरी, विदेश, रक्षा और यूएसटीआर महीनों से मेगास्पीड को ब्लैकलिस्ट करने की मांग कर रहे थे, लेकिन कॉमर्स विभाग ने रोका। बेसेंट ने एनवीडियाा को 10 दिन का अल्टीमेटम दिया है, पूछा है- क्या शेल कंपनियों के जरिए चिप्स चीन पहुंचाए। कॉमर्स सचिव हॉवर्ड लटनिक पर आरोप है कि उन्होंने मेगास्पीड की जांच 2025 में रोक दी। सितंबर 2025 वाला नियम फ्रीज कर दिया, जो विदेशी कंपनियों पर रोक लगाता। हुआंग के रिश्ते के बारे में महीनों पहले ब्रीफ होने के बाद भी कार्रवाई नहीं की। इस दबाव के बाद ट्रेजरी और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने खुद यह नया नियम लिखा और कॉमर्स से जारी करवाया। यानी यह नियम कॉमर्स की पहल नहीं, ट्रेजरी की नाराजगी का नतीजा है। चीन की अलीबाबा, बाइट डांस, डीपसीक जैसी कंपनियां अब मलेशिया-सिंगापुर के डेटा सेंटरों से किराए पर अमेरिकी चिप्स नहीं ले पाएंगी। भारत इस लिस्ट में नहीं है, लेकिन मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया जैसे देश अब हाई रिस्क कैटेगरी में आ गए हैं। वहां डेटा सेंटर बनाने वाली कंपनियों को अब ज्यादा जांच से गुजरना होगा। ट्रम्प इस हफ्ते एशिया टूर पर जा रहे हैं। एपीईसी के दौरान शी जिनपिंग से मुलाकात होनी है। यह नियम उसी से पहले आया है। क्रोनोलॉजी देखें तो ट्रम्प अक्सर चीन जाने से पहले, चीनी राष्ट्रपति से मिलने कोई न कोई नया नियम लाते हैं, या पुराने नियमों को सख्त कर देते हैं। हालांकि एनवीडिया से जुड़े मामले पर ट्रम्प ने कहा है- 'हुआंग की वापसी पर मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी, मैं शी से भी इस बारे में बात कर सकता हूं।' इधर, एनवीडिया केस में 3 दिसंबर को सीनेट बैंकिंग कमेटी ने हुआंग और लटनिक दोनों को गवाही के लिए बुलाया है। हुआंग ने कांग्रेस के सामने बंद कमरे में गवाही देने के लिए तैयार हैं। एनवीडिया बोर्ड ने बाहरी वकीलों से जांच कराई है। बोर्ड ने हुआंग को वापस लाने पर विचार नहीं किया है, भले ही एलन मस्क समेत कई टेक दिग्गज उनकी वापसी की मांग कर रहे हैं।

पैटिनसन बने नए जेम्स बॉन्ड, 5 एक्टर रेस में थे,यह किरदार निभाने वाले सातवें हीरो होंगे

एलए। हॉलीवुड एक्टर रॉबर्ट पैटिनसन अब जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाएंगे। सोमवार को



उन्हें अगला 007 चुना गया। इस रोल के लिए कैलम टर्नर, जैक लॉडेन, जोश ओ'कॉनर और निकोलस हॉल्ट भी रेस में थे। पैटिनसन ब्रिटिश अभिनेता हैं। उन्होंने 'द बैटमैन', 'हैरी पॉटर' और 'ट्वाइलाइट' जैसी फिल्मों में काम किया है। जेम्स बॉन्ड सीरीज की पहली फिल्म 1962 में रिलीज हुई थी। तब से अब तक 6 एक्टर यह किरदार निभा चुके हैं। पैटिनसन इस भूमिका को निभाने वाले सातवें अभिनेता होंगे। जेम्स बॉन्ड फ्रेंचाइजी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर 25 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया। इसमें पैटिनसन नजर आए। वीडियो के आखिर में लिखा था- 'जेम्स बॉन्ड फिर लौटेगा।' पैटिनसन ने इस किरदार को अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया है। कई महीनों तक चली तलाश के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली। अगस्त में ऑडिशन शुरू हुए थे और अक्टूबर के आखिर में फाइनल स्क्रीन टेस्ट हुए। रॉबर्ट पैटिनसन हॉलीवुड की कई बड़ी फिल्मों में काम चुके हैं। उन्होंने 2005 में फिल्म 'हैरी पॉटर एंड द गॉब्लेट ऑफ फायर' में सेड्रिक डिगरी का किरदार निभाया था। इसके बाद 'ट्वाइलाइट' (2008-2012) फिल्म सीरीज में वैम्पायर एडवर्ड कलन के रोल से दुनियाभर में पहचान बनाई। उन्होंने 'द बैटमैन' (2022) में ब्रूस वेन यानी बैटमैन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे 'टेनेट', 'द लाइटहाउस', 'गुड टाइम' और 'मिक्की 17' जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुके हैं। अब बॉन्ड फिल्मों की सीरीज की 26वीं फिल्म आनी है। इसका निर्देशन डेनिस विलेन्यूव करेंगे। इसकी कहानी स्टीवन नाइट लिख रहे हैं। एमी पास्कल और डेविड हेमैन फिल्म के निर्माता हैं। हालांकि, फिल्म का नाम और रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। जेम्स बॉन्ड ब्रिटेन का एक काल्पनिक जासूस हैं। वह ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई6 के लिए काम करता है। उसका कोड नेम 007 है। उसकी कहानियों पर अब तक कई मशहूर फिल्में बन चुकी हैं। 1962 में पहली आधिकारिक जेम्स बॉन्ड फिल्म रिलीज हुई थी। तब से अब तक छह अभिनेता यह किरदार निभा चुके हैं। रॉबर्ट पैटिनसन इस भूमिका को निभाने वाले सातवें अभिनेता होंगे। 1. शॉन कॉनरी (1962-



1971) शॉन कॉनरी जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाने वाले पहले अभिनेता थे। उन्होंने 1962 में आई फिल्म 'डॉ. नो' से 007 के रूप में शुरुआत की। उन्होंने बॉन्ड को स्टाइलिश, निडर और हाजिरजवाब अंदाज में पेश किया। इसके बाद उन्होंने पांच और बॉन्ड फिल्मों में काम किया।उन्होंने 1962 की फिल्म 'डॉ. नो' से बॉन्ड के किरदार की शुरुआत की और 1983 तक कुल सात बॉन्ड फिल्मों में अभिनय किया। इनमें 'फ्रॉम रशिया विद लव' (1963), 'गोल्डफिंगर' (1964), 'थंडरबॉल' (1965), 'यू ओनली लिव ट्वाइस' (1967) और 'डायमंड्स आर फॉरएवर' (1971) शामिल हैं। 2. जॉर्ज लेजेनबी (1969)- शॉन कॉनरी के बाद ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता



जॉर्ज लेजेनबी ने जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाया। वह 1969 की फिल्म 'ऑन हर मेजेस्टीज सीक्रेट सर्विस' में नजर आए। उन्होंने सिर्फ एक फिल्म में बॉन्ड की भूमिका निभाई। इस फिल्म में बॉन्ड का भावुक पक्ष भी दिखाया गया। खासतौर पर ट्रेसी के साथ उनके रिश्ते को कहानी में अहम जगह मिली। 3. रोजर मूर (1973-1985)-रोजर मूर ने 1973 की फिल्म 'लिव एंड लेट डाई' से जेम्स बॉन्ड के रूप में शुरुआत की। उन्होंने इस किरदार को हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में पेश किया। मूर ने कुल सात फिल्मों में 007 की भूमिका निभाई। इनमें 'द मैन विद द गोल्डन गन' (1974), 'द स्पाई हू लव्ड मी' (1977), 'मूनरेकर' (1979) और 'ऑक्टोपसी' (1983) शामिल हैं। उनकी आखिरी बॉन्ड फिल्म 'अ व्यू टू अ किल' (1985) थी। रोजर मूर 45 वर्ष की उम्र में पहली बॉन्ड फिल्म में नजर आए थे। 58 वर्ष की उम्र में



आखिरी फिल्म पूरी करने के साथ वह इस किरदार को निभाने वाले सबसे अधिक उम्र के अभिनेता बने। 4. टिमोथी डाल्टन (1987-1989)-रोजर मूर के बाद टिमोथी डाल्टन ने जेम्स बॉन्ड की भूमिका संभाली। उन्होंने इस किरदार को ज्यादा गंभीर अंदाज में पेश किया। उन्होंने 1987 में 'द लिविंग डेलाइट्स' से डेब्यू किया। इसके बाद 1989 में 'लाइसेंस टू किल' में नजर आए। 5. पियर्स ब्रॉसनन (1995-2002)-छह साल के अंतराल के बाद पियर्स ब्रॉसनन ने 1995 में फिल्म 'गोल्डनआई' से जेम्स बॉन्ड के रूप में वापसी की। उनके अंदाज में स्टाइल और एक्शन दोनों देखने को मिले। उन्होंने कुल चार बॉन्ड फिल्मों में काम किया। इनमें 'टुमॉरो नेवर



डाइज' (1997), 'द वर्ल्ड इज नॉट इनफ' (1999) और 'डाई अनदर डे' (2002) शामिल हैं। 6. डेनियल क्रेग (2006-2021)-डेनियल क्रेग ने 2006 में आई फिल्म 'कैसिनो रॉयल' से जेम्स बॉन्ड का किरदार निभाना शुरू किया। उनका अंदाज पहले के अभिनेताओं से अलग था। उन्होंने बॉन्ड को ज्यादा गंभीर, मजबूत और भावुक रूप में दिखाया। क्रेग ने कुल पांच फिल्मों में काम किया। इनमें 'क्वांटम ऑफ सोलेस' (2008), 'स्काईफॉल' (2012), 'स्पेक्टर' (2015) और 'नो टाइम टू डाई' (2021) शामिल हैं। 'नो टाइम टू डाई' उनकी आखिरी बॉन्ड फिल्म थी।

12 दिन में 'रामायण' ने कमाए रु1,437 करोड़,दूसरे सोमवार को कलेक्शन में 57फीसदी की गिरावट,सबसे तेज रु1,400 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्म बनी

मुंबई। नितेश तिवारी की फिल्म रामायण ने 12 दिनों में दुनियाभर में 1,437.25 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, रामायण सबसे कम समय में दुनियाभर में 1,400 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पार करने वाली



भारतीय फिल्म बन गई। बता दें कि रामायण भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में पांचवें नंबर पर पहुंच गई। फिल्म ने 'धुरंधर', 'आरआरआर' और 'केजीएफ 2' की लाइफटाइम कमाई को पीछे छोड़ दिया। अब इसकी नजर चौथे नंबर पर मौजूद 'पुष्पा 2' पर है। हालांकि, दोनों फिल्मों की कमाई में 304.85 करोड़ रुपए का अंतर है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने भारत में 947.25 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया। वहीं, विदेशों से 490 करोड़ रुपए मिले हैं। इस तरह दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 1,437.25 करोड़ रुपए हो गई। भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन 792.60 करोड़ रुपए पहुंच गया। दूसरे सोमवार कमाई में 57फीसदी की गिरावट:-दिवाली की छुट्टियां खत्म होने के बाद फिल्म की कमाई में गिरावट आई। दूसरे वीकेंड में शानदार प्रदर्शन करने वाली रामायण ने 11वें दिन (दूसरे रविवार) भारत में 75 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे सोमवार यानी 12वें दिन इसकी कमाई घटकर 32 करोड़ रुपए रह गई।यह पिछले दिन के मुकाबले करीब 57फीसदी कम है। फिल्म ने साउथ इंडिया के पांच राज्यों से 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन किया है।साल 2026 में धुरंधर 2 के बाद यह पांच दक्षिण भारतीय राज्यों में 300 करोड़ रुपए कमाने वाली दूसरी हिंदी फिल्म बन गई। नितेश तिवारी की दो फिल्में टॉप-5 में:-इस उपलब्धि के साथ निर्देशक नितेश तिवारी की दो फिल्में भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली टॉप-5 फिल्मों में शामिल हो गई हैं।उनकी फिल्म दंगल इस लिस्ट में 2,070.30 करोड़ रुपए की कमाई के साथ पहले नंबर पर है। वहीं, रामायण अभी पांचवें स्थान पर है।

सबसे तेज ₹1,400 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्में

फिल्म	दिन
रामायण (2026)	12 दिन
धुरंधर 2 (2026)	13 दिन
पुष्पा 2 (2024)	15 दिन
बाहुबली 2 (2017)	17 दिन
दंगल (2016)	करीब 150 दिन

पैसे देने का वीडियो बनाने पर भड़के शरद कपूर,दोस्त हेमा बोलीं- हाथ में नोट थमाकर वापस छीन लिए, तमाशा मत बनाओ

मुंबई। अभिनेता शरद कपूर ने सोशल मीडिया पर सामने आए उस वीडियो पर नाराजगी जताई, जिसमें



एक व्यक्ति उनके हाथ में नोटों की गड्डी देता नजर आया था। मंगलवार को शरद ने कहा कि उन्हें पता नहीं था कि वह व्यक्ति कौन है। अचानक उसने पैसे पकड़ाकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वहीं, शरद की दोस्त हेमा चौधरी ने दावा किया कि वीडियो बनाने वाले व्यक्ति ने पैसे वापस भी ले लिए। दरअसल, हेमा चौधरी के इंस्टाग्राम अकाउंट पर सामने आए वीडियो में शरद कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री, अपने फैंस और उन लोगों का शुक्रिया कहा, जिन्होंने मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर नाराजगी जताई। शरद ने कहा, 'सोशल मीडिया पर बहुत सी गलत चीजें दिखाई जाती हैं। हाथ में पैसा दिया, पता ही नहीं चला कौन क्या कर रहा है। अचानक कोई बोलता है कि इसे पकड़िए और फिर वीडियो बनाने लगता है।' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें समझ नहीं आया कि वह व्यक्ति कौन था और क्या कर रहा था। शरद के मुताबिक, अब वह ऐसे लोगों से मिलना पसंद नहीं करेंगे। हेमा चौधरी ने भी जताई नाराजगी:- शरद कपूर की करीबी दोस्त और एनिमल एक्टिविस्ट हेमा चौधरी ने भी इस वीडियो पर नाराजगी जताई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर बताया कि शरद को अभी तक कोई बड़ी आर्थिक मदद नहीं मिली है। फिलहाल उनकी मेडिकल देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। हेमा ने लोगों से अपील की कि शरद को परेशान न करें और उनकी निजी हालत को सोशल मीडिया पर तमाशा न बनाएं। हेमा ने कहा कि शरद मुश्किल हालात में थे, तब उनके आसपास के लोग भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आए। लेकिन अब कुछ लोग उन्हें लंच के बहाने अपने साथ ले जा रहे हैं और उनसे वीडियो बनवा रहे हैं। हेमा ने उस वायरल वीडियो पर भी नाराजगी जताई, जिसमें एक व्यक्ति शरद के हाथ में नोटों की गड्डी देता दिखाई दिया था। उन्होंने कहा, 'किसी को कैश पैसे देकर वीडियो बनाना मदद नहीं है, उसे नुमाइश कहते हैं। आप उनकी खराब हालत का तमाशा कर रहे हैं।' हेमा ने यह भी सवाल किया कि ऐसे वीडियो और ब्लॉग बनाकर लोग कितने फॉलोअर्स और कितनी कमाई कर रहे हैं। हेमा बोलीं- शरद अभी ट्रॉमा में हैं:-हेमा ने कहा कि शरद फिलहाल मानसिक तनाव और ट्रॉमा से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनसे बार-बार सवाल पूछना, इंटरव्यू लेना और वीडियो बनाना ठीक नहीं है। हेमा के मुताबिक, जब उन्होंने शरद से वायरल वीडियो के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि उन्हें पता ही नहीं था कि वह व्यक्ति कौन था। उसने हाथ में पैसे पकड़ाए और वीडियो बनाने लगा। शरद ने यह भी कहा कि बाद में उस व्यक्ति ने पैसे वापस छीन लिए थे। काम मांगने के लिए की थी भावुक अपील:-दरअसल, हाल ही में शरद कपूर फिल्म इंडस्ट्री के लोगों से काम देने की अपील करते नजर आए थे। उन्होंने कहा था कि वह दोबारा अपना करियर शुरू करना चाहते हैं और काम करके अपनी परेशानियों से बाहर निकलना चाहते हैं। सलमान खान और सोनू सूद ने बढ़ाया मदद का हाथ:-शरद की अपील के बाद फिल्म इंडस्ट्री से मदद के लिए लोग आगे आए हैं। ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन (ए.आई.सी.डब्लू.ए) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि सलमान खान शरद कपूर की आर्थिक मदद कर रहे हैं। एसोसिएशन ने सलमान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मुश्किल वक्त में किसी कलाकार का साथ देना दूसरों के लिए भी उम्मीद पैदा करता है।

जैकी श्रॉफ की 'काली खेती' में दिखेगी डर की झलक,फिल्म में खेती के साथ रिश्तों और पर्यावरण का भी संदेश

मुंबई। फिल्मों में हॉरर का अलग दर्शक वर्ग है। डर के साथ रिश्तों, पर्यावरण और खेती-किसानी के मुद्दे जुड़ने से कहानी



और दिलचस्प हो जाती है। ऐसी ही कहानी लेकर आ रही है 'काली खेती'। फिल्म में जैकी श्रॉफ, शरद केलकर और शगुन सरगम अहम भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन हारिस इम्तियाज खान ने किया है। फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बातचीत में जैकी श्रॉफ, शरद केलकर, नेहा सरगम और निर्देशक हारिस इम्तियाज खान ने फिल्म की कहानी, हॉरर, खेती-किसानी, पर्यावरण और पारिवारिक रिश्तों पर चर्चा की। जैकी श्रॉफ ने लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने का तरीका बताया। निर्देशक ने फिल्म के टाइटल का मतलब समझाया। जैकी सर, आप लंबे समय से पर्यावरण और वृक्षारोपण को लेकर जागरूकता फैला रहे हैं। खेती और गांव से जुड़े इस फिल्म में आपका संदेश कैसे दिखेगा? जैकी श्रॉफ: फिल्म में खेती, हरियाली, पहाड़ और गांव की कई चीजें देखने को मिलेंगी। कहानी सिर्फ खेती तक सीमित नहीं है। इसमें खेती के साथ हो रहे खिलवाड़ को भी दिखाया गया है। सवाल: शरद जी, खेती के साथ किस तरह का खिलवाड़ हो रहा है? आप फिल्म में ग्रामीण लुक में हैं। फिल्म के बारे में बताएं। जवाब/शरद केलकर: पहले किसान जो बोता था, वही उगता था। अब परिस्थितियां बदल गई हैं और कई चीजों का हस्तक्षेप बढ़ा है। सवाल उठता है कि किसान क्या बो रहा है और वास्तव में क्या उग रहा है? फिल्म में इसी पर चर्चा की गई है। सवाल: नेहा जी, फिल्म में हॉरर के साथ पारिवारिक रिश्ते भी दिखाए गए हैं। इस बारे में बताइए। जवाब/नेहा सरगम: फिल्म में कई विषयों के साथ बाप-बेटे का रिश्ता भी दिखाया गया है। पिता और बेटे के बीच मतभेद हैं। दोबारा मिलने पर उनके बीच कई परिस्थितियां पैदा होती हैं। इसमें विचारों का टकराव, अहंकार और रिश्तों के उतार-चढ़ाव देखने को मिलेंगे। यह सिर्फ हॉरर फिल्म नहीं है। इसमें पारिवारिक रिश्तों, भावनाओं और परिवार की दूसरी परतों को भी दिखाया गया है। सवाल: हारिस जी, 'काली खेती' टाइटल के पीछे क्या सोच है? फिल्म बनाने का विचार कैसे आया? जवाब/हारिस इम्तियाज खान: खेती के कई मतलब हैं। पहला, खेत या फार्म जहां फसल उगाई जाती है। दूसरा, खेती यानी फसल उगाने की प्रक्रिया। तीसरा, इससे मिलने वाली उपज। फिल्म में खेती शब्द को अलग-अलग अर्थों में इस्तेमाल किया गया है। इसका एक खास मतलब भी है, जिसे दर्शक फिल्म देखने के बाद समझ पाएंगे। इसी वजह से फिल्म का नाम 'काली खेती' रखा। सवाल: जैकी सर, फिल्म संदेश देने के साथ डराएगी भी? आपको हॉरर फिल्में देखना पसंद है? जवाब/जैकी श्रॉफ: मुझे हॉरर फिल्मों से डर लगता है। बचपन से ही ऐसी फिल्में देखकर डर जाता हूं। मुझे आज भी एक करीब 12 बज गए थे। मेरे चार दोस्त थे। रास्ते में सभी एक-एक करके घर चले गए और आखिर में मैं अकेला रह गया। घर जाते समय लगा कि कोई मेरे पीछे आ रहा है। कदमों की आवाज सुनाई देने लगी। डर के मारे भागकर बिल्डिंग पहुंचा और मां से लिपट गया। तब मेरा डर दूर हुआ। हॉरर फिल्में मुझे आज भी डराती हैं। सवाल: शरद जी, हॉरर के अलावा फिल्म में दर्शकों को क्या खास देखने को मिलेगा? जवाब/शरद केलकर: फिल्म में हॉरर के साथ बाप-बेटे और दादा-पोते के रिश्ते भी दिखाए गए हैं। आज के परिवारों में मतभेद और विचारों का टकराव आम है। दूसरे पारिवारिक रिश्तों और भावनाओं को भी जगह दी गई है। इसलिए इसे सिर्फ हॉरर फिल्म कहना सही नहीं होगा। इसमें कई कहानियां और भावनात्मक पहलू साथ चलते हैं। मैं हॉरर फिल्मों का बड़ा प्रशंसक नहीं हूं, क्योंकि मुझे डर लगता है। हाल ही में निर्देशक ने ट्रेलर भेजा था। मैं पत्नी और बेटी के साथ गाड़ी में था। साउंड सिस्टम पर ट्रेलर चलाया। खत्म होने पर बेटी ने कहा, 'पापा, आप क्या चला रहे हैं? यह तो बहुत डरावना है।' ट्रेलर के साउंड ने डर का माहौल बना दिया। फिल्म में साउंड, सिनेमैटोग्राफी और एडिटिंग शानदार हैं। तकनीकी टीम और कलाकारों ने अच्छा काम किया है। सवाल: हारिस जी, जैकी श्रॉफ और शरद केलकर जैसे कलाकारों को फिल्म के लिए तैयार करना कितना मुश्किल रहा? जवाब/हारिस इम्तियाज खान: मुझे कोई परेशानी नहीं हुई। सभी कलाकार कहानी और फिल्म के विजन से प्रभावित हुए थे। कहानी सुनते ही सभी ने फिल्म के लिए हामी भर दी। मुझे किसी को बार-बार मनाने की जरूरत नहीं पड़ी। शरद केलकर: कलाकार को कहानी पसंद आने पर तुरंत हां या ना कह देना चाहिए। लेखक को महीनों इंतजार कराना सही नहीं है। लेखक कलाकार के लिए मेहनत करता है और कहानी लेकर जल्द फैसले की उम्मीद करता है। लेकिन कई बार कलाकार तीन-चार महीने इंतजार करवाते हैं, जो लेखक के लिए निराशाजनक है।





कलाकार की सबसे बड़ी ताकत उसका इंस्टिंक्ट यानी अंदर की आवाज है। कहानी सुनकर लगे कि फिल्म करनी चाहिए, तो तुरंत हां कहिए। मन नहीं मान रहा, तो मना कर दीजिए। फिल्म हिट होगी या फ्लॉप, यह बाद की बात है। जरूरी है कि फैसला ईमानदारी से लिया जाए। कलाकार को अपने फैसले पर भरोसा करना चाहिए। सवाल: जैकी सर, खेती-किसानी और पेड़-पौधों में आपकी दिलचस्पी कैसे शुरू हुई? जवाब/जैकी श्रॉफ: इसकी शुरुआत स्कूल में बचपन से हुई। हमें मेथी के दाने या गेहूं दिए जाते थे। उन्हें मिट्टी और रेत में लगाकर कुछ दिनों बाद पौधे की बढ़त दिखानी होती थी। इसके नंबर भी मिलते थे। शायद वहीं से बीज बोने और पौधे उगाने में दिलचस्पी पैदा हुई। बड़े होने पर पर्यावरण में बदलाव और बढ़ती गर्मी के बारे में सुनकर लगा कि सिर्फ चर्चा नहीं, काम भी करना चाहिए। मैं कहता हूं कि बहस या विरोध के बजाय खुद पेड़ लगाइए। जितनी बातें करते हैं, उतने पौधे लगाइए। घर में तुलसी का पौधा लगा लीजिए। कम से कम अपनी तरफ से कुछ तो कर रहे हैं। सवाल: आने वाली पीढ़ी के बारे में सोचने की जरूरत क्यों है?जवाब/जैकी श्रॉफ: हमें सोचना चाहिए कि बच्चे जिस दुनिया में बड़े हो रहे हैं, उनके लिए कैसी धरती छोड़ रहे हैं। अगर हम इमारतें बनाते और पेड़ काटते रहेंगे, तो बच्चों को हरियाली कहां मिलेगी? तकनीक का विकास जरूरी है। इससे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रहने वाले परिवार जुड़े रहते हैं। लेकिन प्रकृति का संतुलन भी बनाए रखना चाहिए। आगे बढ़ना है, हरियाली को पीछे छोड़कर नहीं। खेती और पेड़-पौधों को भी महत्व देना चाहिए। सवाल: आपके फार्महाउस में कौन-कौन सी फसलें उगती हैं? जवाब/जैकी श्रॉफ: वहां कई तरह की चीजें और अलग-अलग किस्म के चावल उगाए जाते हैं। करीब 21 किस्मों में गोरखपुर का काला नमक चावल भी शामिल है। उसकी खुशबू बहुत अच्छी होती है। मैं इसे भी फार्महाउस में उगा रहा हूं। मुझे खेती और पौधों की अलग-अलग किस्मों के साथ प्रयोग करना पसंद है। सवाल: शरद जी, छत्तीसगढ़ में जन्म के कारण क्या बचपन से खेती और हरियाली से जुड़ाव रहा? जवाब/शरद केलकर: मेरा जन्म छत्तीसगढ़ में हुआ है, जो मेरे हिसाब से देश के सबसे हरे-भरे इलाकों में से एक है। बचपन में घर के पीछे आंगन था, जहां मैंने कई तरह की सब्जियां और फल लगाए थे। मुझे अफसोस रहता था कि मेरी बेटी शहर में रहती है और उसका जन्म भी वहीं हुआ है। यहां चारों तरफ इमारतें और कंक्रीट हैं। हरियाली धीरे-धीरे कम हो रही है। मैं चाहता था कि बेटी प्रकृति के करीब रहे और पौधे लगाने व खेती से जुड़ी चीजें सीखे। इसी वजह से मैंने फार्महाउस लिया है। वहां वह अपने हाथों से पौधे लगाकर प्रकृति से जुड़ सकेगी। सवाल: जैकी सर, क्या आप शूटिंग के पहले दिन भी कलाकारों को पौधे गिफ्ट करते हैं? जवाब/शरद केलकर: हां, जैकी सर शूटिंग के पहले दिन कलाकारों को पौधे और गमले देते हैं। उन्होंने हमें भी दो-तीन पौधे दिए हैं। जैकी श्रॉफ: मैं शूटिंग पर आने वाले कलाकारों को एक पौधा देने की कोशिश करता हूं। मेरी गाड़ी में भी पौधे रहते हैं। लोग कहते हैं कि गाड़ियों के अंदर प्रदूषण नहीं होता, लेकिन बाहर की हवा और धुआं अंदर आता है। पौधे आसपास हों, तो वातावरण बेहतर बनाने में मदद करते हैं। किसी से लड़ने या बुरा कहने के बजाय खुद पेड़ लगाइए। कोई पेड़ लगा रहा है, तो उसे लगाने दीजिए। जो नहीं लगा रहा, उसे जबरदस्ती मत कहिए। एक दिन वह भी उसी पेड़ की छांव में बैठेगा। सवाल: शरद जी, जिन लोकप्रिय किरदारों को आपने आवाज दी, क्या उन्हें खुद पर्दे पर निभाने का मन हुआ? जवाब/शरद केलकर: बिल्कुल, ऐसा कई बार लगता है। जिन किरदारों को मैंने आवाज दी है, उनमें से कई मैं खुद भी निभा सकता था। लेकिन फैसला प्रोड्यूसर और निर्देशक को करना होता है। बीते समय की शिकायत करने के बजाय आने वाले मौकों के लिए तैयार रहना चाहिए। जो मौका मिले, उसके लिए खुद को तैयार रखिए। अपनी सेहत और दिमाग का ध्यान रखना जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।